सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 90 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, सोमवार 12 जनवरी 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

छत्तीसगढ़ में कर्मचारियों को केंद्र के बराबर मिलेगा भत्ता, 3% बढ़ा

सीएम साय का ऐलान, 55 से बढ़कर 58 फीसदी हुआ डीए, 5 लाख कर्मियों को फायदा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य कर्मचारियों को नई सौगात दी है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने रविवार को राज्य सरकार के कर्मचारियों के महंगाई भत्ते (डीए) में 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी की घोषणा की। इस फैसले के बाद कर्मचारियों को अब मूल वेतन का 58 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिलेगा। इस बढ़ोतरी से प्रदेश के लगभग 5 लाख सरकारी कर्मचारियों को सीधा लाभ होगा।

मुख्यमंत्री ने यह घोषणा रायपुर में छत्तीसगढ़ राज्य कर्मचारी संघ द्वारा आयोजित कार्यक्रम के दौरान की। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि यह निर्णय कर्मचारियों के कल्याण और उनके प्रति सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है। इससे पहले अगस्त 2025 में राज्य सरकार ने डीए में 2 प्रतिशत की वृद्धि की थी, जिससे महंगाई भत्ता 55 प्रतिशत हुआ था। अब नई बढ़ोतरी के साथ कर्मचारियों को बढ़ती महंगाई के बीच अतिरिक्त राहत मिलेगी।

कर्मचारियों के हित में लिए कई अहम निर्णय : सीएम साय

मुख्यमंत्री ने कहा कि बीते दो वर्षों में सरकार ने कर्मचारियों के हित में कई अहम फैसले लिए हैं। ट्रांसफर नीति, पदोन्नति प्रक्रिया और कार्यस्थल व्यवस्थाओं में सुधार कर कर्मचारी-हितैषी बनाया गया है। पेंशन, ग्रेच्युटी और अन्य सेवानिवृत्ति लाभों के समय पर भुगतान को सरकार ने प्राथमिकता दी है, ताकि कर्मचारियों को रिटायरमेंट के समय किसी प्रकार की परेशानी न हो। इसके अलावा विधानसभा में पेंशन फंड विधेयक पारित कर छत्तीसगढ़ पेंशन फंड की मजबूत कानूनी व्यवस्था भी बनाई गई है।

5 महीने पहले भी बढ़ा था 3 प्रतिशत

इसके पहले राज्य सरकार ने अधिकारी-कर्मचारी के लिए 2 प्रतिशत महंगाई भत्ता बढ़ाया था। प्रदेश के अधिकारी-कर्मचारियों को केंद्र के बराबर 55 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिल रहा था। अब 3 प्रतिशत की बढ़ोत्तरी कर 58 प्रतिशत कर दिया गया है।

सरकार पर सालाना 540 करोड़ का अतिरिक्त बोझ

महंगाई भत्ते में इस 3 प्रतिशत की बढ़ोतरी से राज्य सरकार पर सालाना 540 करोड़ का अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ेगा। इसके अलावा पेंशनभोगियों को 3 प्रतिशत महंगाई राहत देने से सालाना 108 करोड़ का अतिरिक्त वित्तीय बोझ पड़ेगा।

खास-खबर

53 की उम्र में साइकिल रेसिंग में जीता गोल्ड मेडल

कोरबा। एसईसीएल गेवरा स्टेडियम में आयोजित इंटर एरिया एथलेटिक्स प्रतियोगिता उस समय खास बन गई, जब गेवरा परियोजना में पदस्थ ओवरमैन यूडी (उमेशधर) दीवान ने 25 वर्षों बाद साइकिल रेसिंग में दमदार वापसी करते हुए गोल्ड मेडल अपने नाम कर लिया। प्रतियोगिता में साइकिल रेसिंग के लिए यूडी दीवान का चयन गेवरा एरिया से हुआ था। उन्होंने बताया कि वे वर्ष 1994 से 2000 तक लगातार साइकिलिंग स्पर्धाओं में हिस्सा लेते रहे हैं और कंपनी स्तर पर कई बार सेकंड पोजीशन हासिल किया।

दंतेवाड़ा में सड़क हादसे में पुलिस जवान की मौत

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले में आज एक सड़क हादसे ने एक पुलिस जवान की जान ले ली। अरनपुर थाना प्रभारी ने बताया कि मृतक जवान की पहचान भगतराम अटामी के रूप में हुई है, जो अरनपुर थाने में पदस्थ थे। भगतराम अपनी निजी कार से अपने घर जा रहे थे। माड़ेन्दा गांव के पास वाहन सड़क से उतरकर पास के खेत में पलट गया। हादसे में भगतराम अटामी की मौके पर ही मौत हो गई।

पॉवर ब्लॉक: 5 मेमू रद्द, जेडी आधे रास्ते ही चली

बिलासपुर। हथबंद-तिल्दा नेवरा सेक्शन के बीच अंडर ब्रिज के निर्माण के लिए बॉक्स पुशिंग के के लिए पावर ब्लाक लेकर काम किया गया। इसकी वजह से बिलासपुर-रायपुर के मध्य 6 मेमू ट्रेनें रद्द रहीं। वहीं गोंदिया-झारसुगड़ा-गोंदिया मेमू पैसेंजर को आधे रास्ते में समाप्त कर वहीं से वापस चलाया गया।

छत्तीसगढ़ को मिली 37वीं फेडरेशन व्हालीवाल स्पर्धा की मेजबानी

रायपुर। 37वीं फेडरेशन व्हालीवाल चेम्पियनशिप महिला पुरुष छग को फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा आबंटित की गई है। फेडरेशन व्हालीवाल चेम्पियनशिप का आयोजन 3 से आठ फरवरी के मध्य बलवीर सिंह जूनेजा इंडोर स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। उक्त जानकारी आयोजन समिति के अध्यक्ष महेश गागड़ा एवं सचिव आयोजन समिति अकरम खान ने दी। मैच में भारत वर्ष का प्रतिनिधित्व करने वाली टीम के खिलाड़ी शामिल होंगे।

अश्लील डांस : हटाए गए एसडीएम, 14 सदस्य अरेस्ट

गरियाबंद। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में ऑर्केस्ट्रा की डांसर्स ने अश्लील डांस किए। लड़कियां अर्धनग्न होकर नाचती रहीं। मंच पर कपड़े उतारकर पब्लिक को प्राइवेट पार्ट्स दिखाती रहीं। कार्यक्रम में मौजूद स्ठ्ठरू तुलसी दास मरकाम और पुलिसकर्मी पैसे लुटाते रहे। VIDEO भी बनाते नजर आए।

एसडीएम तुलसी दास मरकाम की मौजूदगी में अश्लील डांस के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। इसके बाद गरियाबंद कलेक्टर भगवान सिंह उइके ने स्ठ्ठरू तुलसी दास मरकाम को हटा दिया है। एसडीएम के खिलाफ जांच कमेटी बनाई गई। जिसके बाद आयोजन समिति के 14 सदस्य गिरफ्तार किए गए।

इससे पहले SP वेदव्रत सिरमौर्य ने ऑर्केस्ट्रा डांसर्स से चढ्ढस्र लेने वाले और मस्ती करने वाले पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की थी। देवभोग थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक डिलोचन रावटे और आरक्षक शुभम चौहान और आरक्षक जय कंसारी को सस्पेंड किया था।

सीएम साय ने दी 'राष्ट्रीय युवा दिवस' की बधाई बोले विवेकानंद युवा शक्ति के अमर प्रेरणास्रोत

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने स्वामी विवेकानंद जयंती 'राष्ट्रीय युवा दिवस' के अवसर पर प्रदेशवासियों, विशेषकर युवाओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि स्वामी विवेकानंद युवा शक्ति के अमर प्रेरणास्रोत हैं। उनके ओजस्वी विचारों, मानवता से परिपूर्ण दर्शन ने न केवल भारत, बल्कि सम्पूर्ण विश्व को आत्मविश्वास, सेवा और आध्यात्मिक जागरण की नई दिशा दी।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि स्वामी विवेकानंद का जीवन युवाओं को यह सिखाता है कि आत्मबल, चरित्र और सेवा-भाव से ही राष्ट्र का निर्माण होता है। उनके विचार आज भी युवाओं को आत्मनिर्भर, कर्तव्यनिष्ठ और राष्ट्रहित में समर्पित बनने के लिए प्रेरित करते हैं। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ के लिए यह विशेष गौरव का

विषय है कि स्वामी विवेकानंद जी के जीवनकाल का एक महत्वपूर्ण समय राजधानी रायपुर में व्यतीत हुआ। उनसे जुड़ी स्मृतियां न केवल रायपुर की सांस्कृतिक पहचान को समृद्ध करती हैं, बल्कि प्रदेशवासियों को निरंतर प्रेरणा भी प्रदान करती हैं। मुख्यमंत्री साय ने विश्वास व्यक्त किया कि स्वामी विवेकानंद जी के दार्शनिक और वैचारिक मूल्य आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक बनते रहेंगे और पूरे देश की युवा शक्ति को राष्ट्र सेवा और मानव कल्याण के लिए सदैव प्रेरित करते रहेंगे।

इसरो का PSLV-C62 रॉकेट रास्ते से भटका मिशन फेल, तीसरी स्टेज में आई गड़बड़ी

■ अन्वेषा सहित 15 सैटेलाइट लेकर गया था

श्रीकंचनपथ न्यूज

श्रीहरिकोटा। इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन (इसरो) के साल 2026 का पहला सैटेलाइट मिशन 'PSLV-C62' फेल हो गया है। PSLV रॉकेट सोमवार सुबह 10.18 बजे आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित अंतरिक्ष केंद्र से 15 सैटेलाइट लेकर उड़ा था।

मिशन का मकसद अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट, EOS-09 अन्वेषा और 14 को-पैसेंजर सैटेलाइट को 512 किलोमीटर की सन-सिंक्रोनस ऑर्बिट (SSO) में स्थापित करना था। ढ्ढस्त्रह्र चीफ डॉ. वी नारायणन ने कहा कि रॉकेट लॉन्चिंग के तीसरे चरण में गड़बड़ी आ गई, जिसके कारण वह रास्ता भटक गया।

8 महीने पहले, मई 18 2025 को इसरो का PSLV-C61 मिशन भी तकनीकी खराबी के कारण तीसरे स्टेज में फेल हो गया था। इस मिशन में EOS-09 अर्थ ऑब्जर्वेशन सैटेलाइट को 524 किमी की सन-सिंक्रोनस पोलर ऑर्बिट में स्थापित किया जाना था। इसरो का यह 101वां लॉन्च मिशन था।

संपादकीय

ईरान में उबाल

दमन से समाज में असंतोष गहरा होगा

ईरान में दशकों से जारी कट्टरपंथी शासन में गाहे-बगाहे प्रतिरोध के स्वर उभरते रहे हैं, जिनका दमन भी शक्ति से होता रहा है। लेकिन मौजूदा विरोध पिछले एक दशक में सबसे तीव्र है। प्रदर्शनकारियों के दमन और प्रदर्शनकारियों को मृत्यु दंड देने की चेतावनी के बाद नहीं लगता है कि जन-अशांति कम होगी। प्रदर्शनकारियों को 'ईश्वर का शत्रु' बताने की ढाल ईरानी सत्ताधीशों को किस हद तक सुरक्षा कवच मुहैया कराएगी,कहना कठिन है। ये महज तात्कालिक उद्देश्य ही किसी हद तक पूरा कर सकता है। इतिहास गवाह है कि दमन से व्यापक असहमति को शायद ही कभी दबाया जा सका हो। जब भी सत्ताधीशों ने ताकत के बल पर जनभावनाओं का दमन किया, फौरी तौर पर भले ही वह दबता दिखता हो, लेकिन वास्तविकता ठीक इसके विपरीत होती है। भीतर-ही-भीतर आक्रोश सुलगता रहता है। कालांतर वह अधिक वेग से वापस लौटकर सत्ता में बदलाव लाता है। दुनिया में तमाम उदाहरण विभिन्न देशों में सामने आते हैं। वास्तव में ईरान का संकट एक एकीकृत धर्म आधारित सत्ता और खुलेपन की ओर बढ़ते समाज का टकराव है। विशेष रूप से सत्ता और युवा वर्ग के बीच खाई लगातार चौड़ी हुई है। ईरान के युवा दूसरे इस्लामिक व मध्यपूर्व के अन्य देशों में खुले समाज और विकास की नई ऊंचाइयों से प्रभावित हैं। वे अपने देश में ऐसा ही प्रगतिशील शासन देखने के आकांक्षी हैं। ये युवा गरिमामय जीवन, अधिक आर्थिक उन्नति के अवसर और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की मांग कर रहे हैं।

> " ईरान की परमाणु नीति के चलते उस पर व्यापक प्रतिबंध भी लगाए गए हैं, जिससे धीरे-धीरे ईरान की आर्थिक स्थिति बदतर होती चली गई। फलस्वरूप महंगाई की मार से त्रस्त जनता सड़कों पर उतर आई। लेकिन एक हकीकत यह भी है कि प्रतिबंधों और राजनयिक अलगाव से स्थितियों में कोई सार्थक सुधार नहीं हुआ है।

निस्संदेह, मौजूदा लोकतांत्रिक विश्व में सत्ता द्वारा संवाद के बजाय शक्ति पर निर्भरता, उसकी उस वैधता को ही कमजोर करती है, जिसे वह अपने हित में संरक्षित करना चाहती है। शासन द्वारा जनता की आवाजों को दबाने का उपक्रम अस्थायी शांति तो ला सकता है, लेकिन शासन के प्रति अविश्वास को बढ़ाता है और अलगाव की खाई को गहरा करता है। वहीं दूसरी ओर ईरान सरकार की दमनकारी नीतियों से वैश्विक समुदाय असहज महसूस कर रहा है। हालांकि, ईरान लंबे समय से पश्चिमी देशों खासकर अमेरिका के दुराग्रहों का शिकार रहा है, वे जब-तब ईरान सरकार की नीतियों की आलोचना करते रहे हैं। जो लोकतांत्रिक सिद्धांतों के बजाय भू-राजनीतिक हितों से ज्यादा प्रेरित रही है। ईरान की परमाणु नीति के चलते उस पर व्यापक प्रतिबंध भी लगाए गए हैं, जिससे धीरे-धीरे ईरान की आर्थिक स्थिति बदतर होती चली गई। फ्लस्वरूप महंगाई की मार से त्रस्त जनता सड़कों पर उतर आई। लेकिन एक हकीकत यह भी है कि प्रतिबंधों और राजनयिक अलगाव से स्थितियों में कोई सार्थक सुधार नहीं हुआ है। लेकिन आम लोगों की जिंदगी ज्यादा कष्टकारी हो चली है। तेहरान के साथ भारत के कूटनीतिक व आर्थिक संबंध बेहतर रहे हैं, मौजूदा स्थिति में भारत को ईरान के साथ सावधानी के साथ संतुलित संबंध बनाये रखने होंगे। ईरान के विदेश मंत्री की प्रस्तावित भारत यात्रा के दौरान बातचीत में इस नाजुक संतुलन की परीक्षा होगी। जिसे ईरान के आर्थिक और रणनीतिक सहयोग को मजबूत करने के प्रयास के रूप में देखा जा रहा है।

भारत की विकास कथा उन लोगों द्वारा लिखी जाएगी, जो आज इसके विचारों को स्वरुप दे रहे हैं। पूरे देश में, युवा भारतीय इस बारे में गहराई से सोच रहे हैं कि भारत कैसे तेज़ी से आगे बढ़ सकता है, कैसे बेहतर शासन कर सकता है और किस प्रकार 2047 तक विकसित देश बन सकता है। उनके विचार विश्वविद्यालय परिसरों और समुदायों, स्टार्ट-अप और खेल के मैदानों, कक्षाओं और गांव की बैठकों में उभरकर सामने आ रहे हैं। वास्तविक सवाल अब यह नहीं रहा कि क्या युवाओं के पास योगदान देने के लिए कुछ है, बल्कि यह है कि क्या उनके विचारों को राष्ट्र की दिशा को प्रभावित करने के लिए एक सशक्त मंच दिया जा रहा है। विकसित भारत युवा नेता संवाद (वीबीवाईएलडी) को ऐसा ही मंच प्रदान करने के लिए डिज़ाइन किया गया है।

विकसित भारत युवा नेता संवादः विकसित भारत के लिए युवा नेतृत्व का सशक्तिकरण

डॉ. मनसुख मांडविया

> आज भारत में विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी निवास करती है। इसलिए यह स्वाभाविक ही है कि राष्ट्र के भविष्य की दिशा केवल नीतियों या संस्थाओं से नहीं, बल्कि इसके युवा नागरिकों की कल्पना, दृढ़ विश्वास और साहस से निर्धारित होगी। विशाल युवा शक्ति का यह भंडार केवल जनसांख्यिकीय लाभ नहीं है; यह भारत की सबसे बड़ी राष्ट्रीय परिसंपत्ति है, जो नवाचार को गति देने, लोकतंत्र को मजबूत करने तथा देश को समावेशी और सतत विकास की दिशा में आगे बढ़ाने में सक्षम है।

भारत की युवा पीढ़ी की आकांक्षाओं को मजबूत उद्देश्य और संभावना से मार्गदर्शन मिलता है। आज का युवा केवल व्यक्तिगत उन्नति से प्रेरणा प्राप्त नहीं करता है; वह जिम्मेदारी उठाने और सार्थक प्रभाव डालने की इच्छा से भी प्रेरित होता है। वे ऐसे रास्तों की खोज करते हैं, जहां उनकी रचनात्मकता, समाधानों में बदल सके, उनकी ऊर्जा नेतृत्व में और उनकी महत्वाकांक्षा सेवा में परिवर्तित हो सके।

युवा मामले और खेल मंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान, मुझे विभिन्न पृष्ठभूमियों में - जैसे विश्वविद्यालय परिसरों में, ग्रामीण जिलों में, खेल मैदानों में और युवा नेतृत्व वाली सामुदायिक पहलों में - युवा भारतीयों के साथ बातचीत करने का अवसर मिला है। जो चीज़ हमेशा स्पष्ट रूप से दिखाई देती है, वह यह है कि युवा लोग देश के भविष्य के बारे में कितनी गंभीरता से सोचते हैं। मुझे वह मौका याद है जब मैं ग्रामीण युवा स्वयंसेवकों के एक समूह से मिला, जिन्होंने अपने गाँवों में अनौपचारिक शिक्षा केंद्रों का आयोजन किया था। सीमित संसाधनों के बावजूद, दृढ़ विश्वास के साथ, वे शिक्षा और कौशल विकास की कमियों का स्थानीय रूप से डिज़ाइन किए गए उपायों के माध्यम से समाधान कर रहे थे। उनके विचार व्यावहारिक थे, जमीनी वास्तविकताओं से जुड़े थे और जिम्मेदारी की स्पष्ट भावना से संचालित थे। इस तरह के अनुभव एक सरल सच्चाई की पुष्टि करते हैं: जब युवा लोगों पर भरोसा किया जाता है और उन्हें स्थान दिया जाता है, तो वे केवल भाग नहीं लेते, बल्कि नेतृत्व करते हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने लाल किले से आह्वान किया था कि ऐसे एक लाख युवाओं को सार्वजनिक जीवन में लाया जाना चाहिए, जिनकी कोई राजनीतिक पृष्ठभूमि न हो। प्रधानमंत्री की इसी भावना से प्रेरित होकर जनवरी 2025 में %विकसित भारत युवा नेता संवाद% कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया, जिसमें राष्ट्रीय युवा महोत्सव की परिकल्पना पूरी तरह से नए प्रारूप में की गयी है। प्रतिक्रिया अभूतपूर्व रही। विकसित भारत चुनौती के माध्यम से 30 लाख से अधिक युवाओं ने भाग लिया, दो लाख से अधिक निबंध प्रस्तुत किए गए और हजारों युवाओं ने राज्य स्तर पर अपने विचार प्रस्तुत किए। इस आयोजन का समापन दिल्ली के भारत मंडपम में हुआ, जहां 3,000 युवा नेताओं को प्रधानमंत्री के साथ खुलकर संवाद करने का अवसर मिला, जिन्होंने कई घंटों तक उनके विचार सुने और उन्हें नेतृत्व करने के लिए प्रेरित किया।

संख्याओं से परे, सहभागिता की प्रकृति ने इस संवाद को वास्तव में ऐतिहासिक बनाया। इसने मान्यता दी कि भारत की युवा शक्ति के विचार 2047 के भारत के निर्माण में महत्वपूर्ण हैं। युवा प्रतिभागियों को राष्ट्रीय चुनौतियों के बारे में गंभीरता से सोचने, समाधान प्रस्तुत करने और व्यक्तिगत महत्वाकांक्षा को साझा उद्देश्य के साथ जोड़ने के लिए प्रोत्साहित किया गया, जिससे आकांक्षा और क्रियान्वयन के बीच का अंतर समाप्त हो गया।

विकसित भारत युवा नेता संवाद की ताकत केवल इसके पैमाने में नहीं, बल्कि इसके डिज़ाइन में है। विचार, भाषा, संस्कृति और अनुभव की विविधता इस पहल की संरचना में निहित है। शहरी और ग्रामीण भारत के युवा, छात्र और पेशेवर, नवोन्मेषी और जमीनी नेता एक मंच साझा करते हैं।

कई स्तरों की भागीदारी सुनिश्चित करती है कि संवाद और आदान-प्रदान के माध्यम से विचार परिष्कृत होंगे, न कि भौगोलिक, भाषा या पृष्ठभूमि के कारण विचारों को छांट दिया जाएगा। ऐसा करके, संवाद सुनिश्चित करता है कि भाग लेने वाले हर युवा के पास अपनी बात को रखने का अवसर है और उसे विस्तार देने का एक मंच भी है।

भारत के युवाओं ने हमेशा देश के निर्णायक क्षणों में मुख्य भूमिका निभाई है, स्वतंत्रता संग्राम से लेकर स्वतंत्र भारत के संस्थानों के निर्माण तक। हर मोड़ पर, युवा भारतीय साहस, विश्वास और नेतृत्व करने की इच्छा के साथ आगे बढ़े हैं। केवल भागीदारी के लिए नहीं, बल्कि भारत की विकास कहानी के साझा-निर्माण का नेतृत्व करने और इसे गति देने के लिए, आज, राष्ट्र फिर से अपने युवाओं की ओर देख रहा है। 2047 में विकसित भारत का विज़न केवल आर्थिक प्रगति तक सीमित नहीं है; यह सामाजिक सद्भाव, पर्यावरण जिम्मेदारी, तकनीकी मार्गदर्शन और समावेशी विकास की भी मांग करता है। इन जटिल चुनौतियों के लिए ताजा सोच, अनुकूलन क्षमता और अभिनव को अपनाने की योग्यता की आवश्यकता है: ये गुण भारत की युवा शक्ति में प्रबल रूप से मौजूद हैं।

पहली ऐतिहासिक संस्करण की शानदार सफलता के आधार पर, वीबीवाईएलडी2026, जो 9ङ्क12 जनवरी 2026 को आयोजित किया जाएगा, राष्ट्रीय युवा सम्मेलन से एक ऐसे मंच की ओर निर्णायक छलांग का संकेत देता है जिसकी प्रतिध्वनि वैश्विक है। 'भारत के लिए डिज़ाइन' और 'विकसित भारत के लिए प्रौद्योगिकी' जैसी नई पहलों और अंतरराष्ट्रीय भारतीय युवा प्रवासी की भागीदारी के साथ, संवादों का अब सीमाओं के पार तक प्रसार होता है। फिर भी, इसका मूल उद्देश्य अपरिवर्तित रहता है: युवाओं को साहसपूर्वक सोचने, निडरता से रचना करने और दृढ़ विश्वास के साथ नेतृत्व करने के लिए सशक्त बनाना।

इस साल के आयोजन का पैमाना इस महत्वाकांक्षा की गहराई को रेखांकित करता है। विकसित भारत क्विज में 50 लाख से अधिक युवा प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया, जो वीबीवाईएलडी 2026 के चयन का पहला चरण था। यह इसे अपने तरह के सबसे बड़े युवा सहभागिता कार्यक्रमों में से एक बनाता है। चार दिनों के दौरान, देश के हर कोने के प्रतिभागी व्यावहारिक अंतर्दृष्टियों, विचारों और दृष्टिकोणों का लाभ उठाते हुए प्रमुख राष्ट्रीय और वैश्विक व्यक्तित्वों के साथ संवाद करेंगे, जो विषयों और भौगोलिक सीमाओं से परे जाते हैं।

वास्तव में वीबीवाईएलडी 2026 को अलग बनाने वाली चीज यह है कि यह हमारी युवा शक्ति को केवल बोलने का मौका नहीं देता, बल्कि उन्हें सुने जाने का भी अवसर प्रदान करता है। यह मंच युवा भारतीयों को अपने विचारों, आकांक्षाओं और समाधानों को भारत के प्रधानमंत्री के सामने सीधे प्रस्तुत करने में सक्षम बनाता है।

12 जनवरी को, जिसे पूरे देश में स्वामी विवेकानंद की स्मृति में राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी व्यक्तिगत रूप से भारत मंडपम में युवाओं के साथ संवाद करेंगे, उनसे सुनेंगे कि वे भविष्य की भारत की कल्पना कैसे करते हैं और किस रूप में उसे आकार देने का इरादा रखते हैं।

जैसे-जैसे भारत अपनी स्वतंत्रता की शताब्दी की ओर बढ़ रहा है, देश को उन युवाओं की सक्रिय भागीदारी की जरूरत है, जिनमें बड़े सपने देखने का साहस है और विचारों को सार्थक कार्य में बदलने का दृढ़ संकल्प है। संवाद के लिए एक मंच से कहीं अधिक, विकसित भारत युवा नेता संवाद एक अभियान है, जो भारतीय युवाओं को आगे बढ़कर नेतृत्व करने, राष्ट्रीय चुनौतियों का सामना करने और विकसित भारत के साथ अपनी आकांक्षाओं को जोड़ने का आह्वान करता है। विकसित भारत का निर्माण उन्हीं के द्वारा किया जाएगा, जिनमें नेतृत्व करने का आत्मविश्वास और सेवा करने की प्रतिबद्धता है। भारत के युवा तैयार हैं। राष्ट्र को उनके साथ चलने के लिए तैयार रहना चाहिए।

(लेखक भारत सरकार में केंद्रीय युवा मामले और खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री हैं)

हमले से अधिकांश देशों के कान खड़े

ट्रंप प्रशासन ने वेनेजुएला के खिलाफ जो तर्क दिया है, आशंका है कि वह वैसी ही दलील ग्रीनलैंड, क्यूबा, मेक्सिको और यहां तक कि कनाडा के खिलाफ भी गढ़ सकता है। इसीलिए इस हमले से अधिकांश देशों के कान खड़े हुए हैं।

डॉनल्ड ट्रंप प्रशासन ने वेनेजुएला के आसपास सैन्य दबाव कई महीनों से बना रखा था, लेकिन तब कहा गया कि यह मादक पदार्थों की तस्करी पर कार्रवाई के लिए है। इस बीच ट्रंप प्रशासन ने अपने देश की संसद के सामने कहा कि वेनेजुएला पर हमला करने या वहां 'शासन परिवर्तन' कराने का उसका कोई इरादा नहीं है। इस तरह तीन जनवरी को अमेरिकी सेना ने वेनेजुएला पर जो हमला किया, वह अमेरिका में बिना संसदीय मंजूरी के किया गया। विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी के अनेक सांसदों ने इसे अमेरिकी संविधान का उल्लंघन बताया है।

इस हमले के जरिए वेनेजुएला के निर्वाचित राष्ट्रपति निकलस मदुरो और उनकी पत्नी को उनके निवास से उठा लिया गया। उन्हें न्यूयॉर्क लाकर उन पर मुकदमा चलाने का एलान किया गया है, जबकि इस कार्रवाई को वहां के मेयर जोहरान ममदानी ने देश के संघीय एवं अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन बताया है। अंतरराष्ट्रीय कानून का सर्वोपरि सिद्धांत हर देश की संप्रभुता का सम्मान है, जिसका किसी देश को उल्लंघन नहीं करना चाहिए। किसी उच्छृंखल देश के खिलाफ भी संयुक्त राष्ट्र की मंजूरी से बहुपक्षीय बल के जरिए ही वैध कार्रवाई की जा सकती है। मगर इस मामले में संयुक्त राष्ट्र तो दूर, ट्रंप प्रशासन ने अमेरिका के सहयोगी देशों की सहमति भी प्राप्त नहीं की। इस तरह वह अंतरराष्ट्रीय नियमों का उल्लंघन करते हुए 'एकतरफा कार्रवाई' के अपने चलन को एक नए मुकाम पर ले गया है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के सदस्य का ऐसा व्यवहार नियम आधारित विश्व व्यवस्था के लिए खुली चुनौती है। इससे दुनिया के हर हिस्से में हमलों की धमकी देने, कमजोर देश को डराने, और मनमाने ढंग से दूसरे देशों की संप्रभुता का उल्लंघन करने की प्रवृत्तियों को बढ़ावा मिलने का अंदेशा है। ट्रंप प्रशासन ने जिस तर्क को आधार बनाकर वेनेजुएला पर कार्रवाई की, आशंका है कि वह वैसी ही दलील ग्रीनलैंड, क्यूबा, मेक्सिको और यहां तक कि आगे चल कर कनाडा के खिलाफ भी गढ़ सकता है। इसीलिए वेनेजुएला पर हमले से अधिकांश देशों के कान खड़े हुए हैं और विश्व समुदाय के बहुत बड़े जनमत ने इसकी निंदा की है।

विदेश नीति के चुनौतीपूर्ण दौर से गुजरता देश

ज्योति मलहोत्रा

देश के लिए यह दौर विदेश नीति के मामले में चुनौतीपूर्ण है। विश्व स्तर पर यही स्थिति है। सबसे शक्तिशाली भागीदार अमेरिका के साथ भारत के कूटनीतिक संबंध सबसे खराब दौर में हैं। जाहिर वजह तो टैरिफ व रूसी तेल खरीद हैं। राष्ट्रपति ट्रंप को एक पुराने मित्र देश और उभरती क्षेत्रीय ताकत की भी परवाह नहीं।

वर्ष 1998 में भारत द्वारा किए परमाणु परीक्षणों के बाद -जब अमेरिका ने प्रतिबंध लगाए थे और परस्पर संवाद लगभग बंद हो गया था- यह पहली बार है जब अपने सबसे शक्तिशाली इस भागीदार के साथ भारत के संबंध खतरनाक रूप से नए निचले स्तर पर हैं। पिछले कुछ दिनों में, व्हाइट हाउस के उच्चतम गलियारों से तंज कसे गए हैं, जिसमें प्रधानमंत्री मोदी को एक निवेदन करने वाले के रूप में दिखाया गया है कि प्रधानमंत्री मोदी ने राष्ट्रपति ट्रंप से कहा : 'सर, क्या मैं आपसे बात कर सकता हूं'। हां, माना जाता है कि अमेरिका की 'महान श्वेत आशा' ने उत्तर दे दिया। पिछली बार जब एक प्रधानमंत्री -डॉ. मनमोहन सिंह- को एक अमेरिकी राष्ट्रपति के समक्ष विनीत जैसा पाया गया था (2008 में उन्होंने जॉर्ज डब्ल्यू बुश से कहा : 'भारत आपसे प्यार करता है'), तो देश में गुस्से का विस्फोट होना वाजिब था। सिर्फ24 घंटे पहले, विदेश मंत्रालय ने मोदी द्वारा कही कथित बात को खारिज कर दिया। लेकिन संबंधों का यूं रसातल में जाते देखना बहुत बुरा लगा।

एक चमकदार अतीत से जुड़ी अद्वितीय और महान सभ्यता के उत्तराधिकारी के रूप में भारतीय अभिजात वर्ग का अमेरिका द्वारा जिस प्रकार उपहास उड़ाया जा रहा है, महज इसलिए कि भारत ने अपने राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने की हिम्मत दिखाई- इस मामले में, कुछ अमेरिकी कृषि वस्तुओं पर आयात शुल्क घटाने से इंकार करना और सस्ते रूसी तेल की खरीद बंद करने से मना करना -वह बहुत परेशान करने वाला है। जैसा कि अमेरिकी वाणिज्य सचिव हॉवर्ड लटनिक ने एक पत्रकार से कहा, अमेरिकी प्रशासन ने भारत को अमेरिका के साथ व्यापार समझौते पर सहमति देने के लिए तीन सप्ताह की मोहलत दी थी। इसके सिलसिले में मोदी को व्यक्तिगत रूप से ट्रंप को फोन कर समझौते पर हस्ताक्षर की रजामंदी जाहिर करनी थी। लेकिन प्रधानमंत्री ने फोन कॉल नहीं की। आखिरकार, जब भारतीय पक्ष ने संपर्क किया, तो लटनिक ने उनसे कहा : 'बहुत देर हो चुकी है'।

निश्चित रूप से, इसमें कुछ भी नया नहीं। भारत तो विशेष रूप से पश्चिमी नेताओं के सम्राटों की तरह पेश आने और अपना दबदबा दिखाए जाने का आदी है। विदेश मंत्रालय के अंदर, और बाहर भी, हर कोई उस दोगलेपन को समझता है जो बड़ी शक्तियों द्वारा खासकर शीत युद्ध के दौरान बरता जाता रहा, मीडिया ने उन्हें बेनकाब करने में कमी नहीं छोड़ी। समस्या यह है कि कम से कम पिछले 20 सालों से, भारत सोचता था कि वह अमेरिकियों के साथ खड़ा है। हमने उनका हास-परिहास अपनाया, हमारे बच्चे उनके कॉलेजों में गए -भारतीय माता-पिता ने अपना पेट काटकर उन्हें वहां भेजने के वास्ते डॉलर खरीदने के लिए बचतें की- और हमारी आईटी विशेषज्ञ पीढ़ी ने अमेरिका को बारंबार महान बनाने के लिए एचवन-बी वीजा लगवाया। हम बराबरी के थे। या कम से कम हम ऐसा सोचते रहे।

विदेश मंत्री एस जयशंकर, जोकि मोदी मंत्रिमंडल के सबसे समझदार लोगों में से एक हैं, पुराने भारत के नए भारत में रूपांतरित होने में भूमिका निभा चुके हैं। भारत के शीर्ष राजनयिकों में से एक होने के नाते उन्हें दोनों पक्षों के लोगों से दोस्ती करने का प्रशिक्षण प्राप्त है। जयशंकर के पिता के. सुब्रमण्यम ने तो 1971 में, बांग्लादेश युद्ध से पहले,पाकिस्तान के प्रति अमेरिका के 'अत्यधिक झुकाव' के लिए तत्कालीन अमेरिकी विदेश मंत्री हेनरी किसिंजर को खरी-खरी सुनाई थी (सुब्रमण्यम ने किसिंजर से पूछा था, आप पाकिस्तान का समर्थन क्यों कर रहे हैं जबकि पाक सेना द्वारा नरसंहार से बचने के लिए लाखों पूर्वी पाकिस्तानी नागरिक भारत में शरण ले रहे हैं, करीब 1 करोड़, और क्या आपको यह भी याद नहीं कि आपके अपने समुदाय यानि यहूदियों ने हिटलर के हाथों क्या झेला था?)। नई वैश्विक व्यवस्था में, ट्रंप से हिल चुकी दुनिया के सामने भारत की विलक्षण स्थिति को, बतौर एक प्राचीन राष्ट्र जिसका लंबा औपनिवेशिक अतीत है, की स्थिति समझाने को जयशंकर एकदम उपयुक्त हैं। तो गलती कहां रही? ट्रंप का अमेरिका, मोदी के भारत का उपहास क्यों कर रहा , जबकि हम दोनों को एक पाले में होना चाहिए था, खासकर जब दुनिया को चीन से बचाने की कोशिश में हमारी ओर देखा जा रहा था? हमारे नए बेहतरीन दोस्त हमारे खिलाफ क्यों हो रहे हैं? इसके कई जवाब हैं, कुछ खुशगवार, कुछ उतने नहीं।

पहला, ट्रंप का अहंकार- उन्हें लगता है दुनिया को स्थाई तौर पर उनकी पिछलग्गू बन जाना चाहिए। लेकिन जब मोदी ने व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए ट्रंप को कॉल करने से इंकार किया, तो अमेरिकियों ने अलग ढंग से दबाव बनायाङ्क कहा कि अब ऐसा कोई समझौता नहीं हो सकता, और रूस से तेल खरीदने पर भारत पर 500 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क लगाया जाएगा।

नतीजतन, भारत इतना बेचैन गया कि बाकी चीज़ों के अलावा, वेनेजुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो की अमेरिका द्वारा धरपकड़ की निंदा करने से परहेज़ रखा। 'क्षेत्रीय अखंडता और संप्रभुता', वे शब्द जो दशकों तक भारत के लिए नैतिकता का नारा रहे हैं, जिसका इस्तेमाल यूक्रेन पर रूस के हमले के लिए उसकी निंदा करने के लिए भी किया गया था, वे अमेरिका के मामले में त्याग दिए गए।

दूसरा, यह और भी स्पष्ट होता जा रहा कि ट्रंप की विश्व दृष्टि में भारत की प्रासंगिकता नहीं है। उन्हें इसमें कोई दिलचस्पी नहीं ङ्क जैसा कि पिछले कई दशकों में अमेरिकी सरकारें, जिसमें डेमोक्रेटिक पार्टी की वह सरकार भी शामिल है, जिसने 2008 में भारत-अमेरिका परमाणु समझौते पर हस्ताक्षर करके भारत को एक तरह से परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्रों के क्लब में शामिल कर लिया था ङ्क कि भारत को मजबूत किया जाए ताकि वह चीन को रोकने वाली स्थानीय ताकत बन पाए। ट्रंप चीन के उद्भव से चिंतित हैं, लेकिन उन्होंने सरेआम कह दिया कि चीन से वे खुद सीधे निपटेंगे।

तीसरा, ट्रंप को इस बात की परवाह नहीं कि भारत, जो एक पुराना दोस्त, भागीदार और उभरती हुई क्षेत्रीय शक्ति है, वह नाराज़ हो जाएगा। उन्हें यह भी याद नहीं कि 2019 में मोदी ने ट्रंप के चुनाव अभियान में भारतीय प्रवासियों को 'अबकी बार, ट्रंप सरकार' के नारे के साथ उनका समर्थन करने के लिए कहकर मदद की थी। कहा जा रहा है कि ट्रंप यह नहीं भूल पा रहे कि जब मोदी 2024 में बाइडेन से मिलने अमेरिका आए थे तब उनसे मिलने से इंकार कर दिया था। उन्हें इस तथ्य से नफ्रत है कि भारत ने सार्वजनिक तौर पर कई बार इस बात से इनकार किया है कि ऑपरेशन सिंदूर गतिरोध को खत्म करने में ट्रंप ने कोई मध्यस्थता की थी।

आज विदेश नीति के मामले में भारत चिंताजनक स्थिति में है। अमेरिकी भारत के साथ खिलवाड़ कर रहे हैं। चीन उत्तरी सीमा पर मौके की तलाश में ललचाई नजरें गड़ाए है। बांग्लादेश, वह मुल्क जिसे आजादी दिलाने में भारत ने मदद की, इससे नाराज़ है कि उसका पसंदीदा क्रिकेटर अवांछित बना दिया ङ्कबांग्लादेश ने आगामी टी-20 विश्व कप दौरान भारत में मैच न खेलने का फैसला किया है।

कर्मकांड का वह दौर लौट आया

हरिशंकर व्यास

भारत दर्शन का मतलब भीड़ का दर्शन है। नए साल की शुरुआत देश भर के धार्मिक स्थलों, पर्यटन स्थलों, होटलों या रेस्तरां में भीड़ की खबरों से हुई है। पिछले एक हफ्ते से देश के अलग अलग धर्मस्थलों से लोगों के जुटने की जैसी खबरें आईं, उनसे इस बात की पुष्टि हुई कि भारत के लोगों को ज्यादा से ज्यादा धार्मिक बनाने का भारत सरकार और भाजपा का प्रोजेक्ट सफल हुआ है। एक समय 'गर्व से कहो हम हिंदू हैं' के नारे लगते थे लेकिन तब लोग इस पहचान को लेकर इतने सीरियस नहीं थे। आज यह नारा नहीं लगता है लेकिन लोग अपनी हिंदू पहचान को लेकर सचमुच सीरियस हैं और इसके प्रदर्शन का कोई मौका नहीं छोड़ते हैं। इसी वजह से कर्मकांड का वह दौर लौट आया है, जिसे भारत पीछे छोड़ चुका था।

नए साल में और आने वाले कई सालों में इसी वजह से हर जगह भीड़ बढ़ेगी। मंदिरों में भीड़ बढ़ेगी, कथावाचकों के प्रवचनों में भीड़ बढ़ेगी तो ज्योतिष और कर्मकांड करने वालों की भीड़ भी बढ़ती जाएगी। नेताओं की सभाओं में भीड़ बढ़ेगी तो फिल्मी सितारों को देखने के लिए भी भीड़ उमड़ेगी। दुनिया भर के कलाकार भारत में शो करने या कन्सर्ट के लिए आ रहे हैं क्योंकि भारत के पास 140 करोड़ की भीड़ है। 2025 को विदाई देने के लिए जितने भी कार्यक्रम हुए सबमें भीड़ उमड़ी। नए साल के मौके पर खबर है कि देश के सभी धार्मिक स्थलों पर लाखों लोगों की भीड़ जुटी। अयोध्या में साल के पहले दिन पांच लाख लोगों ने रामलला के दर्शन किए। पिछले एक हफ्ते में 20 लाख से ज्यादा लोगों ने अयोध्या में दर्शन किए। वृंदावन के बांके बिहारी मंदिर में एक जनवरी, गुरुवार को शाम तक पांच लाख लोग दर्शन कर चुके थे और भीड़ देख कर मंदिर प्रशासन ने लोगों से पांच जनवरी तक वृंदावन नहीं आने की अपील की है। उधर उज्जैन के महाकाल मंदिर भी श्रद्धालुओं की भीड़ 31 दिसंबर की आधी रात से ही लाइन में खड़ी थी। वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड को श्रद्धालुओं का रजिस्ट्रेशन बंद करना पड़ा। राजस्थान के सीकर में खाटू श्याम जी के दर्शन के लिए देश भर के लोग पहुंचे। करीब छह लाख लोग 15 से 17 किलोमीटर तक पैदल चले और दर्शन किया। इसी तरह चितौड़गढ़ में सावंलिया सेठ के दर्शन के लिए लाखों लोग जुटे। भीड़ देख कर मंदिर प्रशासन को भगवान के सोने और श्रृंगार के समय में कटौती करनी पड़ी और 15 घंटे में करीब पांच लाख लोगों ने दर्शन किए। चुरू के सालासर बालाजी के मंदिर में 31 दिसंबर को आधी रात के बाद दर्शन शुरू हो गए और एक जनवरी के डेढ़ लाख से ज्यादा लोगों ने दर्शन किए। गुजरात में सोमनाथ से लेकर द्वारका और बनासकांठा में अंबाजी मंदिर तक और उत्तर प्रदेश में काशी विश्वनाथ मंदिर से लेकर झारखंड के देवघर मंदिर तक भक्तों की कतार लगी रही। दिल्ली के कालकाजी और झंडेवालान मंदिर में भी भक्तों की भीड़ ने नए रिकॉर्ड बनाए।

ITR फाइल 500/-

Whatsapp पर बनवाएँ

Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट

CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस

हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।

www.onlytds.com

सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ

भिलाई–दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए संपर्क करे

Mob.-: 9303289950 7987166110

प्रमुख खबरें

डॉ ऋतु दुबे का ऑल इण्डिया सिविल सर्विसेज टेटे में चयन

दुर्ग। शासकीय डॉ वावा पाटणकर कन्या महाविद्यालय में कार्यरत डॉ ऋतु दुबे का चयन ऑल इण्डिया सिविल सर्विसेज टेबल–टेनिस प्रतियोगिता हेतु हुआ है। यह प्रतियोगिता चण्डीगढ़, टेबल–टेनिस हॉल में दिनांक 12 से 16 जनवरी 2026 तक आयोजित है। इससे पूर्व चयन स्पर्धा रायपुर में आयोजित की गई थी, जिसमें डॉ दुबे का चयन वेट्रन्स टीम हेतु हुआ है। चण्डीगढ़ में छत्तीसगढ़ की ओर से एकल एवं युगल टेबल–टेनिस प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगी। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ रंजना श्रीवास्तव ने उनकी इस उपलब्धि को सराहा। क्रीडा समिति की संयोजिका डॉ सुषमा यादव, सदस्य गणेष राम नायक, डॉ दीपक ठाकुर एवं महाविद्यालय परिवार ने हर्ष व्यक्त करते हुए शुभकामनाऐं दी।

एसएमएस-3 ने रोलिंग मिल को 21 रन से हराया

भिलाई। बीएसपी अंतर विभागीय टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता के अंतर्गत रविवार को पांच मैच खेले गए। पहला मैच एसएमएस–3 और रोलिंग मिल के बीच खेला गया। एसएमएस–3 ने यह मैच 21 रन से जीता। दिनेश कुर्रे प्लेयर ऑफद मैच चुने गए। दूसरा मैच टीवीएस लैब और कोक ओवन के बीच हुआ जिसे कोक ओवन ने 8 विकेट से जीता। प्लेयर ऑफ दी मैच नितेश बने। तीसरा मैच रोलिंग मिल और एसएमएस व वे ब्रिज की संयुक्त टीम के बीच हुआ। इसमें एसएमएस संयुक्त टीम ने 28 रन से विजयी रही। प्लेयर ऑफद मैच राहुल बने। चौथा मैच ब्लास्ट फर्नेस एवं कोक ओवन बीच खेले गया। इसमें ब्लास्ट फर्नेस को 37 से जीत मिली। खोमेन प्लेयर ऑफ दी मैच चुने गए। दिन का आखिरी मैच रोलिंग मिल और प्लेट मिल के बीच खेला गया। इसमें रोलिंग मिल ने प्लेट मिल को 6 विकेट से हराया। अंपायर हिमाचल साहू एवं नोगेश्वर डहरिया थे। स्कोरिंग विनोद देवघरे ने की।

चेम्बर ऑफकॉमर्स ने सीएसपी को सौंपा ज्ञापन

भिलाई। छत्तीसगढ़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के प्रदेश अध्यक्ष सतीश थौरानी के मार्गदर्शन में चेम्बर के उपाध्यक्ष एवं डीआरयूसीसी मेंबर लोकेश चंद्रकांत जैन तथा जितेन्द्र शादीजा ने यातायात सीएसपी संतोष कुमार ठाकुर से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने रायपुर रेलवे स्टेशन पर चल रहे निर्माण कार्यों से उत्पन्न समस्याओं पर ज्ञापन सौंपा। चेम्बर उपाध्यक्ष लोकेश चंद्रकांत जैन एवं जितेन्द्र शादीजा ने बताया कि स्टेशन के कुछ संपर्क रास्ते अस्थाई रूप से बंद किए गए हैं, जिसका सीधा दबाव स्टेशन के मुख्य मार्ग पर पड़ रहा है। छत्तीसगढ़ की राजधानी और प्रमुख व्यापारिक केंद्र होने के कारण यहाँ से प्रतिदिन 100 से अधिक ट्रेनों की आवाजाही होती है, जिससे यात्रियों को भारी असुविधा का सामना करना पड़ रहा है।

तालाबों की सफाई के लिए नगर निगम ने झोंकी पूरी ताकत, पांड क्लीनर मशीनें बनी मददगार

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। शहर के तालाबों को स्वच्छ, सुंदर एवं पर्यावरण के अनुकूल बनाए रखने के उद्देश्य से नगर पालिक निगम दुर्ग द्वारा विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहा है। निगम प्रशासन तालाबों की साफ–सफाई को लेकर पूरी तरह गंभीर नजर आ रहा है और इसके लिए आधुनिक पॉन्ड क्लीनर मशीन का उपयोग कर व्यापक स्तर पर सफाई कराई जा रही है। इसी क्रम में नगर निगम सीमा अंतर्गत वार्ड क्रमांक 39 में स्थित डिपरापारा तालाब, हरना बांधा ओर पोटिया तालाब सहित शहर के अन्य तालाबों में मशीन के माध्यम से जलकुंभी, गाद एवं कचरा हटाने का कार्य किया जा रहा है। शहर के बीचों–बीच स्थित एवं घनी आबादी वाले क्षेत्रों के तालाबों के साथ–साथ बाहरी क्षेत्रों के तालाबों में भी सफाई अभियान तेज कर दिया गया है।

तालाबों के आसपास फैले अतिक्रमण को हटाया जा रहा है ताकि तालाबों का प्राकृतिक स्वरूप सुरक्षित रह सके। तालाबों की स्वच्छता सुनिश्चित करने निगम आयुक्त स्वयं नियमित निरीक्षण कर रहे हैं। पॉन्ड क्लीनर मशीन के माध्यम से तालाबों में फैली जलकुंभी को निकाला जा रहा है, जिससे जल की गुणवत्ता में सुधार हो सके और मच्छरों के प्रजनन पर भी रोक लगाई जा सके। वार्ड क्रमांक 39 में स्थित डिपरापारा तालाब नगर निगम के शासकीय तालाबों की सूची में शामिल नहीं है, बल्कि यह एक निजी स्वामित्व का तालाब है। तालाब में अत्यधिक गंदगी पाए जाने की शिकायत मिलने पर नगर निगम दुर्ग की टीम ने तत्काल कार्रवाई की। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए निगम की पॉन्ड क्लीनर मशीन को तुरंत वहां शिफ्ट कर सफाई कार्य प्रारंभ कर दिया गया।

सड़क सुरक्षा माह में सुप्रीम कोर्ट के गाइडलाइंस का परिपालन, स्कूल बसों की भी की गई जांच

21 स्कूलों के 230 बसों की हुई फिटनेस जांच, चालकों की आंखें भी परखीं

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सड़क सुरक्षा माह 2026 के दौरान रविवार 11 जनवरी को सुप्रीम कोर्ट के गाईड लाईन के अनुसार स्कूली छात्र छात्राओं के सुरक्षित परिवहन को ध्यान में रखते हुए, यातायात पुलिस दुर्ग एवं परिवहन विभाग द्वारा संयुक्त रूप से पुलिस ग्राउण्ड सेक्टर 06 भिलाई में स्कूल बस जांच शिविर का आयोजन किया गया।

जांच शिविर में जिले के 21 स्कूलों के छात्र छात्राओं का परिवहन करने वाले 230 बसों की जांच की गई। जांच शिविर का उद्देश्य छात्र छात्राओं का सुरक्षित परिवहन से है। जांच शिविर के दौरान सर्व प्रथम वाहनों का रजिस्ट्रेशन किया गया तत्पश्चात परिवहन विभाग द्वारा स्कूल बसो के दस्तावेजो की जांच की गई जांच के दौरान वाहन का रजिस्टेशन, परमिट, फिटनेस, बीमा, पीयूसी, रोड टैक्स, वाहन चालक का लायसेंस चेक किया गया।

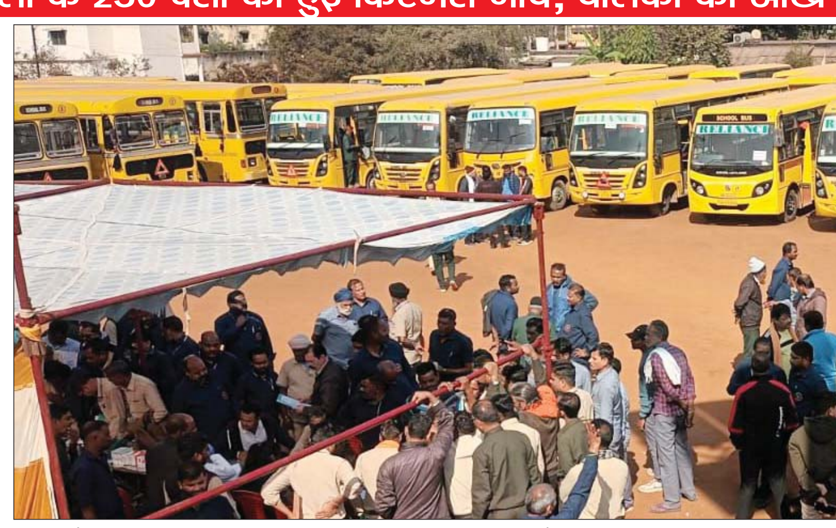

इसके बाद वाहनों का मैकनिकल फिटनेस जांच किया गया जिसके अंतर्गत हेड लाईट, ब्रेक लाईट, पार्किंग लाईट, इन्डिकेटर लाईट, बैक लाईट, मीटर, स्टेरिंग की स्थिति, टायर की स्थिति, क्लच, ऐक्सीलेटर, सीट की स्थिति, हॉर्न की स्थिति, वॉयपर एवं वाहन में आगे पीछे रिफ्लेक्टर लगा है कि नहीं चेक किया गया।

चेंकिग के क्रम में सुप्रीम कोर्ट द्वारा निर्धारित मापदण्ड के अनुरूप जैसे वाहन में जीपीएस, सीसीटीवी कैमरा, स्पीड गर्वनर, प्रेर्शर हार्न, आपातकालीन खिडकी, स्कूल का नाम, टेलीफोन नंबर, चालक का मोबाईल नंबर, फर्स्ट ऐड बॉक्स, अग्नि शमन यंत्र, स्कूल बस के आगे पीछे स्कूल बस लिखा है की नहीं चेक किया गया। जांच के दौरान यातायात पुलिस एवं परिवहन विभाग द्वारा कुल 65 स्कूल बसों पर चालान करते हुए 50900 रूपये समन शुल्क वसूल किया गया। तत्पशचात चालक परिचालक के स्वास्थ्य संबंधी जांच की गई जिसमें आंखो की जांच किया गया। जिसमें 26 चालकों को आंखो संबंधित शिकायत पाई गई जिन्हे चश्मा लगाने एवं लगे हुवे चश्मे में नंबर बढ़ाने हेतु समझाईस दी गई। जो बसें आज शिविर में जांच हेतु नहीं पहुंचे हैं उन्हें परिवहन के दौरान रोककर जांच की जायेगी।

पुलिस कंट्रोल रूम में सुरक्षा परिचर्चा का आयोजन

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल के निर्देशन में पुलिस कंट्रोल रूम सेक्टर–6, भिलाई में यातायात सुरक्षा परिचर्चा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (भिलाई) सुखनंदन राठौर, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात) ऋचा मिश्रा, भिलाई नगर एसडीएम हितेश पिस्दा, सीएसपी भिलाई नगर सत्यप्रकाश तिवारी की उपस्थिति रही। परिचर्चा में लोक निर्माण विभाग, जोन कमिश्नर नगर निगम भिलाई, बीएसपी प्रबंधन, स्पर्श हॉस्पिटल मैनेजमेंट, पार्षद लक्ष्मीपति राजू, सेवा निवृत पुलिस अधिकारी सचिन देव शुक्ला, राकेश जोशी, वरिष्ठ पत्रकार अरविन्द सिंह, योगेश गुप्ता सहित विभिन्न विभागों एवं संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

जिले के उपार्जन केन्द्रों से अब तक 127223 मीट्रिक टन धान का उठाव

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। राज्य सरकार की सुचारू, पारदर्शी और किसान हितैषी नीति के कारण जिले में धान खरीदी और उपार्जन केन्द्रों से धान के उठाव में तेजी आई है। धान खरीदी को आसान बनाने की दिशा में राज्य सरकार की निर्णायक कदम से धान विक्रय की प्रक्रिया सरल हुई है। जिसके तहत अब दिन–रात कभी भी मोबाईल एप तुंहर टोकन के माध्यम से किसानों को धान बेचने के लिए टोकन मिलने लगा है।

धान बेचने के बाद त्वरित भुगतान का किसानों पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा है। सरकार की व्यवस्था से प्रभावित होकर किसान अपनी उपज बेचने टोकन प्राप्त निर्धारित तिथि अनुसार उपार्जन केन्द्र पहुंच रहे हैं। जिले में अब तक 88,151.30 लाख रूपए की लागत से 3,71,857.80 मे. टन धान की खरीदी हो चुकी है। समय पर भुगतान राशि मिलने पर 68163 किसान लाभान्वित हुए हैं।

उपार्जन केन्द्रों से धान की उठाव भी तेजी से होने लगी है। जिससे अब दूसरे किसानों को धान बेचने का अवसर मिला है। उठाव हेतु 1,94,036.72 मे. टन धान का डीओ जारी हुआ है। अब तक उपार्जन केन्द्रों से 1,27,223.58 मे. टन धान का उठाव किया जा चुका है। सरकार की इस पारदर्शी व्यवस्था में किसान भी सहभागी बनते हुए धान बेचने के पश्चात् रकबा समर्पण करने आगे आ रहे हैं। जिले में अब तक धान बेच चुके 37983 कृषकों ने 926.87 हेक्टेयर रकबा समर्पण कर चुके हैं। उपार्जन केन्द्रों में पहुंचने वाले किसानों हेतु जिला प्रशासन द्वारा समुचित प्रबंध किया गया है।

गर्मियों से पहले ही ठीक होगी पेयजल व्यवस्था, इंटेकवेल में लगेंगे नए पम्प

श्रीकंचनपथ समाचार

दुर्ग। आगामी गर्मियों में शहरवासियों को जलसंकट से राहत दिलाने के लिए नगर निगम ने ठोस योजना तैयार कर ली है। गर्मी के मौसम में पानी की किल्लत न हो, इसके लिए इंटकवेल और फिल्टर प्लांट में नए शक्तिशाली मोटर पंप लगाए जाएंगे।

इंटकवेल में 120–120 एचपी क्षमता के दो नए मोटर पंप स्थापित किए जाएंगे। इसके साथ ही फिल्टर प्लांट में 97.33 लाख रुपये की लागत से एक अतिरिक्त मोटर पंप लगाया जाएगा, ताकि शुद्ध पेयजल की आपूर्ति निर्बाध बनी रहे।

मोटर पंपों की खरीदी के लिए शासन से 29 अगस्त 2025 को स्वीकृति प्राप्त हो चुकी है। तकनीकी परीक्षण एवं निविदा प्रक्रिया के दौरान प्राप्त सुझावों के आधार पर तकनीकी विशिष्टताओं में आवश्यक सुधार किए गए हैं। निविदा प्रक्रिया को पुनः प्रारंभ किया गया है।

नगर निगम का कहना है कि सभी प्रक्रियाएं पूर्ण होते ही मोटर पंपों की स्थापना का कार्य तेजी से किया जाएगा, जिससे गर्मी के चरम समय में भी शहर की जल आपूर्ति सुचारू बनी रहेगी। निगम के इन प्रयासों से नागरिकों को इस वर्ष जल संकट से बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

महापौर अलका बाघमार ने आने वाली गर्मी के सीजन से लोगों को इस समस्या से निजात दिलाने के लिए मोटर पंप खरीदी का प्रस्ताव शासन को भेजा। शासन ने 3 पंप के लिए ही राशि स्वीकृत की। 1.94 करोड़ की लागत से इंटकवेल में 120–120 एचपी के दो मोटर पंप लगाए जाएंगे। वहीं फिल्टर प्लांट में 97.33 लाख की लागत से एक मोटर पंप लगाया जाएगा।

आयुक्त सुमित अग्रवाल ने कहा इंटकवेल और फिल्टर प्लांट के लिए तीन मोटर पंप खरीदे जाने है।

पुलिस के नेतृत्व में सड़क हादसों को कम करने समाज ने कसी कमर

सुपेला पुलिस थाना परिसर में किया गया वृहद आयोजन

स्कूली बच्चों व्दारा पेंन्टिंग, रंगोली व स्लोगन के जरीये आमजन को यातायात नियमों के प्रति किया जागरूक

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। रविवार 11 जनवरी को थाना सुपेला परिसर में शासकीय स्कूल कोसा नगर, इंदिरागांधी स्कूल, गांधी विद्या पीठ के 100 के 150 बच्चों के व्दारा यातायात के जागरूकता के विषय में ड्राइंग, रंगोली व स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित किया गया।

प्रतियोगिता के माध्यम से यातायात नियमों का पालन करने एवं यातायात नियमों के प्रति जागरूकता फैलाने का संदेश दिया गया

कार्यक्रम के तहत् मौके पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शहर सुखनंदन राठौड़ एवं नगर पुलिस अधीक्षक भिलाई नगर सत्य प्रकाश तिवारी व्दारा बच्चों व आमजन को यातायात नियमो के पालन कर दुर्घटना से बचाव के बारे में जानकारी दी गई साथ ही साइबर अपराध से बचाव हेतु साइबर हेल्प लाईन नम्बर 1930 का प्रयोग करने बताया गया। साथ ही सायबर ठगी के तरीकों एवं उनसे बचाव के उपायों के संबंध में विस्तृत जानकारी भी प्रदान की गई।

जागरूकता कार्यक्रम एवं प्रदर्शनी में बच्चों यातायात नियमों के संदर्भ में चित्र, रंगोली, चित्र, स्लोगन बनाकर अनूठे तरीक़े से जागरूकता फैलाने का प्रयास किया गया।

कार्यक्रम में चित्रकला में प्रथम स्थान– निहारिका यादव, विश्वजित विश्वकर्मा, गांधी विद्या पीठ, द्वितीय स्थान– शिवा दुर्गा, आंचल देवांगन, शासकीय स्कूल कोसा नगर, पिंकी राउत, इंदिरा गांधी हायर सेकण्डरी स्कुल, दक्ष तांडी गांधी विद्या पीठ को दिया गया। रंगोली में जेसिका बंजारे, ज्योति, वर्षा साधना, सोनाली को क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्रदान किया गया।

स्लोगन में प्रथम स्थान फैजुल्ला अंसारी शासकीय स्कूल कोसा नगर का रहा। इन सभी विजेताओं को पुलिस के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सम्मानित किया गया तथा उनके प्रयासों की सराहना की गई।

चित्रांश मंदिर सेक्टर-6 में समाज का पारीवारिक मिलन समारोह सम्पन्न

सामाजिक मिलन में बढ़ाएं बच्चों की भागीदारी : विधायक रिकेश सेन

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सामाजिक मिलन समारोहों में अपने बच्चों को भी लेकर आएं। तभी वे अपने समाज और संस्कृति से जुड़ पाएंगे। वे अपनी गौरवशाली परम्परा और इतिहास से परिचित होंगे। इसका एक लाभ यह भी होगा कि वे अंतरजातीय या अंतर–धार्मिक विवाहों की तरफ आकर्षित नहीं होंगे। उक्त उद्गार रविवार को वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने चित्रांश मंदिर सेक्टर–6 में व्यक्त किये।

कार्यक्रम की अध्यक्षता महापौर नीरज पाल ने की। मंच पर समाज के अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव, प्रमोद श्रीवास्तव, पूर्व अध्यक्षगण नरेन्द्र श्रीवास्तव, विनोद प्रसाद, विश्वरंजन श्रीवास्तव, हिमांशु वर्मा, एवं श्री प्रधान भी मौजूद थे। इस अवसर पर समाज के कृति विद्यार्थियों के साथ ही राज्य स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता जीतने वाली टीम का भी सम्मान किया गया।

विधायक रिकेश सेन चित्रांश मंदिर में पारीवारिक मिलन समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने इस अवसर पर समाज के कृति बच्चों को सम्मानित करने की परम्परा का स्वागत करते हुए कहा कि उन्हें सामाजिक कार्यक्रमों में शामिल करने का यह एक अच्छा विकल्प हो सकता है। राष्ट्र के विकास में समाज के योगदान की सराहना करते हुए उन्होंने समाज को हर संभव सहयोग का वायदा भी किया।

विधायक ने कहा कि वे स्वयं एक अत्यंत साधारण परिवार से आते हैं। यहां तक कि ठंड में ओढ़ने के लिए कंबल नहीं होते थे तो वे बारदाना को सी कर कंबल बना लिया करते थे। यहीं से उन्हें प्रेरणा मिली और इस साल ठंड से पहले उन्होंने वंचित तबके लिए कंबल बैंक की स्थापना की। इसके अलावा जन सहयोग से 31 प्रकार के रक्त परीक्षणों को निःशुल्क करने, एक रुपए में एक्सरे करने, दो नग वेंटीलेटर एम्बुलेंस, एक शव वाहन और फ्रीजर कॉफिन का व्यवस्था करने में सफल रहे हैं। समाज अपने विकास का ब्लूप्रिंट बनाएं, वे उसे पूरा करने में सहयोग करेंगे।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए महापौर नीरज पाल ने बताया कि यहां किसी कार्यक्रम में शामिल होना उनके लिए गर्व की बात है। उन्होंने यहां डोम शेड के निर्माण की बात कही थी। इसके प्रस्ताव पारित हो चुका है तथा जब भी समाज चाहेगा उसके लिए भूमि पूजन कर दिया जाएगा।

अतिथि द्वय ने समाज के कृति विद्यार्थियों के साथ ही नृत्य, संगीत या कला के क्षेत्र में उपलब्धि हासिल करने वालों को भी सम्मानित किया। क्रिकेट टीम की सराहन करते हुए उन्होंने कहा कि खेलकूद लोगों को रचनात्मकता एवं सकारात्मकता की ओर ले जाता है। इसे और भी आगे तक लेकर जाने की जरूरत है। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती सपना श्रीवास्तव, डॉ अलका दास एवं दीपक रंजन दास ने की। इस अवसर पर बच्चों एवं महिलाओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत किये।

साइंस कालेज के आर्ट्स क्लब का आयोजन

दुर्ग। शासकीय विश्वनाथ यादव तामस्कर स्नातकोत्तर स्वशासी महाविद्यालय के आर्ट्स क्लब : युवा प्रतिभा सृजन एवं अभिव्यक्ति मंच के तत्वावधान में 10 जनवरी सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के शहीद वीर नारायण सिंह सभागार में किया गया। कार्यक्रम में छात्रा श्रेया राजपूत एवं राहुल ने बांसुरी वादन, रवीना ने महिषासुर अभिनय, पब्लिक स्पीकिंग सोसायटी के छात्रों ने नाटक, एवं सौरभ, भारती, तन्वी, रितु ने कविता पाठ, अन्वेषा, तोमेश, जयप्रकाश, तृप्ति, गजेंद्र, भावेश ने गायन, टीम सूफ़ियाना ने समूह गायन, वेद ने रैप गायन तथा कपिल, यश, वर्षा, पूर्वा, गरिमा और उपासना ने नृत्य की आकर्षक प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के छात्र दीपांशु नेताम एवं धन्यवाद ज्ञापन छायांशी के द्वारा किया गया।

Since 1972

CROWN-TV

Choice Of Millions

Washing Machine / Cooler Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 22
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line

खास खबर

गरियाबंद जिले में स्वच्छ शनिवार को लोग कर रहे श्रमदान

गरियाबंद। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत गरियाबंद जिले को कचरा मुक्त बनाने एवं स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जिले के सभी पाँच विकासखंडों में स्वच्छ शनिवार अभियान का प्रभावी आयोजन किया गया। यह विशेष अभियान कलेक्टर बीएस उईके के निर्देशानुसार तथा जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी प्रखर चंद्राकर के मार्गदर्शन में संचालित किया गया। अभियान के तहत जिले के देवभोग, छुरा, गरियाबंद, मैनपुर एवं फिंगेश्वर विकासखंडों की विभिन्न ग्राम पंचायतों में उत्साहपूर्वक स्वच्छता संबंधी गतिविधियाँ आयोजित की गईं। देवरी, चिखली, कोपेकसा, जेंजरा, मजरकट्टा, बारूला, कौंदकेरा, डोंगरीगांव, खरहरी, मरोदा, पतोरादादर, मदनपुर, सड़क परसूली, नागाबुड़ा, धुमरगुड़ा, डेंडुपदर, गगनराजपुर, सरायपानी, कोदोभाटा, हाथबाय एवं नहरगांव सहित अनेक ग्राम पंचायतों में ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी निभाई।

एलपीयू युनिवर्सिटी में भाग लेंगे बस्तर के 5 जूडो खिलाड़ी

जगदलपुर। एलपीयू फगवाड़ा यूनिवर्सिटी पंजाब में 15 से 18 जनवरी तक होने वाली अखिल भारतीय यूनिवर्सिटी जूडो प्रतियोगिता में बस्तर यूनिवर्सिटी के कोच मारूतिनन्दन मरकाम के मार्गदर्शन पर बस्तर जिला जूडो संघ के खिलाड़ी पुरुष वर्ग में 60 किलो ग्राम में मोहम्मद मुसेफ गाजी 73 किलो ग्राम यशवंत पाण्डे 81 किलो ग्राम विनायक यादव और महिला वर्ग 52 किलो ग्राम में श्रृष्टि नेगी 70 किलो ग्राम मिश्रित उर्वाषा जुडो खिलाड़ी के रूप में भाग लेंगे। इन सभी खिलाड़ियों का चयन बस्तर संभाग के जुडो खिलाड़ियों के बीच खेलवा कर यूनिवर्सिटी के प्राचार्य कोच मैनेजर के समक्ष किया गया सभी खिलाड़ी और कोच 12 जनवरी को पंजाब के लिये रवाना होंगे सभी खिलाड़ियों की इस उपलब्धि के लिये जुडो संघ के अध्यक्ष किरण सिंह देव, सचिव अब्दुल मोईन, माता पिता, शिक्षकगण एवं खेल प्रेमियों ने शुभकामनाएं दी।

रतनपुर महामाया कारिडोर भी होगी पर्यटन मानचित्र में शामिल

बिलासपुर। पर्यटन मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा है कि पर्यटन स्थलों के विस्तार एवं विकास से स्थानीय लोगों को रोजगार मिलेगा। भोरमदेव कारिडोर का काम शुरू हो गया है और उसके बाद चित्रकूट एवं मां महामाया देवी रतनपुर पर्यटन क्षेत्र का प्रस्ताव केन्द्र सरकार को गया है जिसे जल्द स्वीकृति मिलने की उम्मीद है। पत्रकारों से चर्चा करते हुए उन्होंने बताया कि महामाया मंदिर रतनपुर कारिडोर के लिए यहां के सांसद केन्द्रीय राज्य मंत्री तोखन साहू एवं अन्य भाजपा के विधायक भी प्रयासरत हैं और ही केन्द्र से स्वीकृति मिलने के बाद कारिडोर बनेगा। श्री अग्रवाल ने बताया कि केन्द्र सरकार से पर्यटन के क्षेत्र में भरपूर सहयोग मिल रहा है और आगे शिरपुर व चंपारण पर्यटन क्षेत्र के विकास के लिए केन्द्र को प्रस्ताव भेजेंगे। छत्तीसगढ़ में पग-पग में पर्यटन स्थल है इसलिए बाहर के पर्यटकों को यहां लाना है। इसके लिए पहले रायपुर और आसपास के पर्यटन स्थल का विकास कर रहे हैं, उसके बाद बिलासपुर एवं सरगुजा क्षेत्र के पर्यटन स्थलों का विकास करेंगे।

ग्राम अरौद लीलर में महिला कमांडो का गठन, मिला सुरक्षा किट

धमतरी। पुलिस अधीक्षक धमतरी के निर्देशन में थाना अर्जुनी क्षेत्रांतर्गत ग्राम अरौद लीलर में महिला सुरक्षा एवं सामुदायिक पुलिसिंग को लेकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम पंचायत अरौद में ग्रामीणों की बैठक भी आयोजित की गई, जिसमें महिला सुरक्षा, सामाजिक जागरूकता एवं ग्राम स्तर पर कानून व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। महिलाओं की सुरक्षा, आपराधिक गतिविधियों पर निगरानी, तथा किसी भी संदिग्ध घटना की त्वरित सूचना पुलिस को देने के संबंध में समझाइश दी गई। महिला सशक्तिकरण एवं ग्राम स्तर पर सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से ग्राम अरौद में महिला कमांडो का गठन किया गया।

लोकतंत्र की पाठशाला बन गया बालोद का रोवर रेंजर जम्बूरी : डॉ रमन सिंह

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। ग्राम दुधली में आयोजित नेशनल रोवर - रेंजर जंबूरी के तीसरे दिन जंबूरी परिसर लोकतांत्रिक चेतना का केंद्र बन गया, जब रोवर-रेंजरों एवं उपस्थित नागरिकों को लोकसभा की वास्तविक कार्यवाही का प्रत्यक्ष और व्यावहारिक अनुभव कराया गया। यूथ पार्लियामेंट के मंच पर रोवर-रेंजरों ने सांसदों की भूमिका निभाई वहीं विधानसभा के अध्यक्ष संसद के अध्यक्ष की भूमिका का निर्वहन किया। युवाओं ने जिस आत्मविश्वास, विषयगत समझ और मर्यादित संवाद शैली का प्रदर्शन किया, वह दर्शनीय था। यह मंच भावी जनप्रतिनिधियों को गढ़ने का सशक्त माध्यम गया था।

विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिंह ने युवा संसद की सराहना करते हुए कहा कि यूथ पार्लियामेंट के दौरान रोवर-रेंजरों जिस प्रकार आत्मविश्वास और अनुशासन के साथ अपनी भूमिका को निभाया है, उससे देश के उज्ज्वल भविष्य की कल्पना साकार नजर आती है। आज के युवा कल के हमारे समाज के प्रतिनिधि हैं। इनके कंधों पर हमारी विरासतों को आगे ले जाने का जिम्मा है, जिसे वे बखूबी निभाएंगे इसका हम सभी को भरोसा है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से युवाओं में लोकतांत्रिक मूल्यों, संसदीय परंपराओं और जिम्मेदार नागरिकता की मजबूत नींव पड़ती है।

इस अवसर पर स्कूली शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने युवाओं को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आज के रोवर - रेंजर देश का आने वाला भविष्य है। भारतीय स्काउट गाइड के मुख्य राष्ट्रीय आयुक्त डॉ. के. के. खंडेलवाल, राज्य मुख्य आयुक्त इंद्रजीत सिंह खालसा, जिला मुख्य आयुक्त राकेश यादव, कलेक्टर दिव्या उमेश मिश्रा, पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल सहित अनेक जनप्रतिनिधि, अधिकारी, रोवर-रेंजर, स्काउट-गाइड्स एवं बड़ी संख्या में आम नागरिक उपस्थित रहे।

जंबूरी के तीसरे दिन विविध और प्रेरक गतिविधियों का आयोजन किया गया। जागरण और शारीरिक जांच के साथ फ्लैग सेरेमनी के साथ अनुशासन और एकता का संदेश दिया जाएगा। डॉग शो में बेहतरीन कलात्मक प्रदर्शन के साथ मार्च पास्ट प्रतियोगिता भी आयोजित की गई।

रीवागढ़ में मिले उत्तर वैदिक काल से पूर्व मानव सभ्यता के अवशेष : संस्कृति मंत्री

छत्तीसगढ़ में 800 ईसा पूर्व से भी पहले विकसित हो चुकी थी मानव सभ्यता : राजेश अग्रवाल

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। रीवां (रीवांगढ़) में चल रहे पुरातात्विक उत्खनन स्थल का दौरा किया। यहां आयोजित 'छत्तीसगढ़ के प्राचीन सिक्के एवं मुद्रा प्रणाली' विषयक द्वि-दिवसीय संगोष्ठी के समापन समारोह के मुख्य अतिथि संस्कृति मंत्री छत्तीसगढ़ शासन राजेश अग्रवाल ने देशभर से पधारे विद्वानों, विषय विशेषज्ञों, विद्यार्थियों एवं शोधार्थियों को संबोधित करते हुए कहा की रीवांगढ़ उत्खनन के परिणाम अत्यंत उत्साहजनक हैं।

उन्होंने कहा कि यहां आहत सिक्कों से लेकर कल्चुरी कालीन सिक्कों तक की एक अविच्छिन्न श्रृंखला प्राप्त हुई है, जो इस क्षेत्र की ऐतिहासिक निरंतरता को प्रमाणित करती है।

श्री अग्रवाल ने बताया कि हालिया उत्खनन में प्राप्त लौह प्रगलन केंद्र तथा रेडियोकार्बन तिथि निर्धारण के आधार पर रीवां की प्राचीनता 9 वीं सदी ईसा पूर्व (उत्तर वैदिक काल) तक निर्धारित की गई है, जो छत्तीसगढ़ के प्राचीन इतिहास और तकनीकी परंपरा की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण उपलब्धि है। छत्तीसगढ़ की धरती एक अत्यंत प्राचीन, समृद्ध और गौरवशाली सभ्यता की साक्षी रही है। हमारी संस्कृति और इतिहास की जड़ें अत्यंत गहरी हैं, जिन्हें वैज्ञानिक दृष्टि से उजागर करना हम सभी का दायित्व है। यह खोज छत्तीसगढ़ की प्राचीन तकनीकी दक्षता, आर्थिक व्यवस्था और सांस्कृतिक निरंतरता को सशक्त रूप से प्रमाणित करती है।

राजधानी रायपुर से लगभग 25 किलोमीटर पूर्व स्थित ग्राम रीवां (रीवांगढ़) में चल रहे पुरातात्विक उत्खनन ने प्रदेश के प्राचीन इतिहास को लेकर नई और महत्वपूर्ण जानकारी सामने रखी है। संस्कृति विभाग के पुरातत्व, अभिलेखागार एवं संग्रहालय संचालनालय द्वारा कराए जा रहे इस उत्खनन में वैज्ञानिक एएमएस रेडियोकार्बन (कार्बन-14) डेटिंग के माध्यम से यह प्रमाणित हुआ है कि इस क्षेत्र में मानव सभ्यता उत्तर वैदिक काल यानी 800 ईसा पूर्व से भी पहले विकसित हो चुकी थी।

रीवां का यह प्राचीन स्थल कोलहान नाला और बंधवा तालाब के बीच स्थित है। स्थानीय जनमानस में यहां लोरिक-चंदा की लोककथा पीढ़ियों से प्रचलित रही है। क्षेत्र की विशिष्ट भौगोलिक बनावट के कारण इसे मृत्तिकागढ़ या मडफोर्ट भी कहा जाता है। चंडी मंदिर के समीप लगभग 75 एकड़ में फैले मृत्तिकागढ़, उसके चारों ओर खाई और परकोटे के अवशेष आज भी इसकी प्राचीनता के साक्ष्य देते हैं। उत्खनन में लोहे के उपकरण बनाने की कार्यशाला के भी साक्ष्य मिले हैं, जो छत्तीसगढ़ के पुरातात्विक इतिहास में पहली बार दर्ज किए गए हैं। पुरातत्वविदों के अनुसार, 800 से 400 ईसा पूर्व के बीच रीवां में सुदृढ़ मानव बस्ती थी, जिसकी निरंतरता लगभग 700 ईस्वी तक रही। इस आधार पर रीवां की तुलना देश के प्राचीन नगरों जैसे कौशांबी और अहिछत्र से की जा सकती है।

विशेषज्ञों का मानना है कि यह उत्खनन न केवल छत्तीसगढ़ बल्कि मध्य भारत के लौह युगीन सांस्कृतिक इतिहास को समझने में एक मील का पत्थर साबित होगा। रेडियोकार्बन परीक्षण से तैयार होने वाली यह कालक्रमिक रूपरेखा भविष्य में होने वाले अन्य उत्खननों के लिए भी मार्गदर्शक बनेगी। रीवांगढ़ क्षेत्र में और विस्तृत खुदाई कराई जाएगी। छत्तीसगढ़ पुरातत्व विभाग द्वारा रींवागढ़ के अलावा अब तक गढ़धनौरा, पचराही, ताला, भोंगापाल, सिरपुर महेशपुर, पचराही, तरीघाट, डमरू, मदकूद्वीप, राजिम, देवरी, जमराव आदि स्थलो पर खुदाई कराई जा चुकी है।

इस अवसर पर विषय विशेषज्ञों में छत्तीसगढ़ के वरिष्ठ इतिहासकार आचार्य रमेंद्र नाथ मिश्र, जीएल रायकवार, मुद्राशास्त्री डॉ. जी. एस. ख्वाजा (नागपुर), प्रो. सुष्मिता बसु मजूमदार (कोलकाता), प्रो. आलोक श्रोतरीय एवं डॉ. देवेन्द्र कुमार सिंह (अमरकंटक), डॉ. विशि उपाध्याय (पटना) तथा डॉ. राजीव मिंज की गरिमामयी उपस्थिति रही।

उत्खनन में मिले प्राचीन अवशेष

छत्तीसगढ़ में उत्तर वैदिक काल में ही लौह युगीन संस्कृति विकसित हो चुकी थी और यहां मानव बसावट की निरंतरता सदियों तक बनी रही। उत्खनन में मौर्य, शुंग, सातवाहन, शक-क्षत्रप, कुषाण और स्थानीय शासकों के सिक्के मिले हैं, जो प्राचीन व्यापारिक गतिविधियों की पुष्टि करते हैं। हाल ही में यहां से 2606 ताम्र सिक्कों की एक विशाल मुद्रा निधि प्राप्त हुई है, जिससे रीवां भारत के उन चुनिंदा स्थलों में शामिल हो गया है, जहां सर्वाधिक सिक्का निधि मिली है। ये सिक्के पहली-दूसरी शताब्दी ईस्वी के बीच प्रचलित गज-देवी प्रकार के स्थानीय ताम्र सिक्के हैं। इनमें पहला सैंपल: 650 - 543 ईसा पूर्व, बुद्ध के समकालीन महाजनपद काल का है। जबकि दूसरा सैंपल: 806 - 748 ईसा पूर्व, बुद्ध के जन्म से लगभग 200 वर्ष पूर्व (उत्तर वैदिक/लौह युग) का है। वहीं तीसरा सैंपल: 541 - 392 ईसा पूर्व, महाजनपद से मौर्य काल तक का है। इस क्षेत्र से पहले भी ऐतिहासिक सामग्री मिलने के संकेत मिले थे। वर्ष 1975 में 35 स्वर्ण सिक्के प्राप्त हुए

थे, जबकि नेशनल हाईवे के किनारे स्थित एक बड़े टीले को इतिहासकारों ने स्तूप होने की संभावना से जोड़ा था। इन्हीं तथ्यों के आधार पर वर्ष 2019 में व्यवस्थित उत्खनन शुरू किया गया। वर्तमान में यह कार्य संचालनालय के उप संचालक डॉ. पी.सी. पारख के निर्देशन और डॉ. वृषोत्तम साहू के सह-निर्देशन में किया जा रहा है। दो प्रमुख टीलों पर लगभग 7 मीटर गहराई तक खुदाई में विभिन्न कालों के सांस्कृतिक स्तर सामने आए हैं। काल निर्धारण की जटिलता को सुलझाने के लिए उत्खननकर्ताओं ने अलग-अलग सांस्कृतिक स्तरों से चारकोल के तीन सैंपल लेकर अमेरिका की फ्लोरिडा स्थित विश्व प्रसिद्ध और आएसओ प्रमाणित प्रयोगशाला बीटा एनालिटिक्स भेजे। रिपोर्ट में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए।

पशु चिकित्सकों की बड़ी उपलब्धि : जटिल ऑपरेशन कर बचाई नवजात बछड़े की जान

श्रीकंचनपथ समाचार

एमसीबी। जिले के खड़गांवा गांव में पशु चिकित्सा सेवाओं ने एक बार फिर अपनी उपयोगिता और मानवीय संवेदना का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया है। गांव के पशुपालक राजकमल की मादा गाय के नवजात बछड़े की स्थिति जन्म के समय अत्यंत गंभीर हो गई थी। बछड़ा डिस्टोकिया नामक जटिल समस्या से ग्रसित था, जिसमें प्रसव के दौरान बछड़ा गर्भ में फंस जाता है और जच्चा बच्चा की जान पर खतरा बन जाता है।

डॉक्टरों ने स्थिति की गंभीरता को देखते हुए 1962 की टीम को तत्काल सूचना दी गई। सूचना मिलते ही डॉ. विनोद सिंह एवं डॉ. बी. के. तांजे अपनी टीम के साथ बिना समय गंवाए रात लगभग 8:00 बजे मौके पर पहुंचे। उनके साथ पैरावेट उपासना यादव और पंकज भी मौजूद रहे। सीमित संसाधनों और कठिन परिस्थितियों के बावजूद चिकित्सकों ने पूरे आत्मविश्वास, चिकित्सकीय दक्षता और सावधानी के साथ जटिल शल्य चिकित्सा करने का निर्णय लिया। काफी मशक्कत और विशेषज्ञता के बाद ऑपरेशन को सफलतापूर्वक अंजाम दिया गया, जिससे नवजात बछड़े की जान बचाई जा सकी। सर्जरी के बाद बछड़े की स्थिति अब स्थिर बताई जा रही है और उसमें लगातार सुधार देखा जा रहा है। वहीं मादा गाय भी सुरक्षित है, जिससे पशुपालक परिवार ने राहत की सांस ली। इस सफल ऑपरेशन के बाद पशुपालक राजकमल ने डॉ. विनोद सिंह, डॉ. बी. के. तांजे एवं पूरी - 1962 टीम की तत्परता, मेहनत और मानवीय सेवा भावना की खुले दिल से सराहना की। उन्होंने कहा कि यदि समय पर चिकित्सक नहीं पहुंचते, तो बड़ा नुकसान हो सकता था।यह घटना न केवल पशु चिकित्सकों की पेशेवर कुशलता को दर्शाती है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित रूङ्क 1962 जैसी मोबाइल पशु चिकित्सा सेवाओं की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका को भी उजागर करती है।

ऑयल पाम की खेती को बढ़ावा, अतिरिक्त स्रोतों से किसानों की आय बढ़ने में सफल रही सरकार

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। खाद्य तेलों में आत्मनिर्भर बनाने तथा किसानों की आय में दीर्घकालीन और स्थायी वृद्धि सुनिश्चित करने के उद्देश्य से केंद्र एवं राज्य शासन द्वारा संयुक्त रूप से नेशनल मिशन ऑन एडिबल ऑयल-ऑयल पाम योजना का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है। इस योजना के अंतर्गत ऑयल पाम की खेती को प्रोत्साहित करने हेतु केंद्र सरकार के अनुदान के अतिरिक्त राज्य शासन द्वारा विभिन्न घटकों में टॉप-अप अनुदान प्रदान किया जा रहा है, जिससे किसानों को आर्थिक संबल मिल सके।

सहायक संचालक उद्यानिकी मुंगेली ने बताया कि ऑयल पाम की खेती में प्रारंभिक लागत अधिक होने तथा 03 से 04 वर्षों की गेस्टेशन अवधि को ध्यान में रखते हुए राज्य शासन द्वारा विशेष सहायता का प्रावधान किया गया है। केंद्र सरकार द्वारा देय न्यूनतम 1.30 लाख प्रति हेक्टेयर अनुदान के अतिरिक्त राज्य शासन किसानों को टॉप-अप अनुदान प्रदान कर रहा है। ऑयल पाम एक दीर्घकालीन, कम श्रम वाली और उच्च उत्पादकता वाली फसल है। इसमें रोग प्रकोप की संभावना अत्यंत कम होती है। रोपण के पश्चात चौथे वर्ष से उत्पादन प्रारंभ हो जाता है और यह फसल 25 से 30 वर्षों तक निरंतर उपज देती है। पारंपरिक तिलहन फसलों की तुलना में ऑयल पाम प्रति हेक्टेयर 4 से 6 गुना अधिक तेल उत्पादन क्षमता रखती है, जिससे स्थायी एवं सुनिश्चित आय प्राप्त होती है।

राज्य शासन द्वारा ऑयल पाम रोपण करने वाले पात्र किसानों को निम्नानुसार अतिरिक्त अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है, इनमें रखरखाव मद में पूर्व निर्धारित 05 हजार 250 प्रति हेक्टेयर की 01 हजार 500 की वृद्धि कर कुल 6750 प्रति हेक्टेयर, अंतरवर्तीय फसलों हेतु वृद्धि के साथ कुल 10250 प्रति हेक्टेयर, ड्रिप सिंचाई प्रणाली अपनाने वाले किसानों को 8635 की अतिरिक्त सहायता सहित कुल 22765 प्रति हेक्टेयर, फेंसिंग के लिए 54485 प्रति हेक्टेयर का अनुदान उपलब्ध कराया जाता है।

सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना से बिल का टेंशन खत्म

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। आम नागरिकों को स्वच्छ, सस्ती एवं टिकाऊ ऊर्जा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शासन द्वारा संचालित प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना अब जमीनी स्तर पर सकारात्मक बदलाव ला रही है। इस योजना के माध्यम से जिले के अनेक घर सौर ऊर्जा से रोशन हो रहे हैं और लोग बिजली खर्च से मुक्त होकर ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं। यह योजना न केवल नागरिकों को आर्थिक राहत प्रदान कर रही है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में भी एक मजबूत कदम साबित हो रही है।

इसी क्रम में मुंगेली शहर के शिक्षक नगर निवासी श्री जितेन्द्र शर्मा ने अपने घर की छत पर रूफटॉप सोलर सिस्टम स्थापित कर योजना का लाभ लिया है। सोलर सिस्टम लगने के बाद उनका घर पूरी तरह सौर ऊर्जा से संचालित हो रहा है, जिससे बिजली की खपत लगभग शून्य हो गई है। परिणामस्वरूप उन्हें अब मासिक बिजली बिल की चिंता नहीं करनी पड़ रही है। श्री शर्मा बताते हैं कि पहले हर महीने बिजली बिल एक बड़ा खर्च होता था, लेकिन सोलर सिस्टम लगने के बाद यह समस्या पूरी तरह समाप्त हो गई है। उन्होंने कहा कि यह योजना न केवल आर्थिक राहत दे रही है, बल्कि स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग के प्रति लोगों को जागरूक भी कर रही है। उन्होंने इस जनहितकारी योजना के लिए प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी, मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सहित शासन-प्रशासन के प्रति आभार व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना का लाभ लेने पर योजना के तहत उपभोक्ताओं को रूफटॉप सोलर सिस्टम लगाने पर केन्द्र एवं राज्य शासन द्वारा आकर्षक सब्सिडी दी जा रही है। 01 किलोवाट रूफटॉप सोलर सिस्टम पर केंद्र से 30 हजार एवं राज्य से 15 हजार मिलाकर 45 हजार रुपए की सब्सिडी, वहीं 02 किलोवाट पर कुल 90 हजार और 03 से 04 किलोवाट तक की क्षमता पर 01 लाख 08 हजार रुपए तक की सब्सिडी दी जा रही है। कम ब्याज दर पर आसान किश्तों में बैंक फायनेंस के चलते मध्यम वर्ग और आम नागरिकों के लिए यह योजना और अधिक सुलभ बन गई है।

सिद्ध बाबा धाम में मकर संक्रांति पर जुटेंगे श्रद्धालु, तैयारियां अंतिम चरण में

श्रीकंचनपथ समाचार

एमसीबी। घने जंगलों, ऊँची-नीची पहाड़ियों और शांत वातावरण के बीच स्थित सिद्ध बाबा धाम आज केवल एक मंदिर नहीं, बल्कि आस्था, इतिहास और विकास की जीवंत कहानी बन चुका है। मकर संक्रांति के अवसर पर यह स्थल श्रद्धालुओं से गुलजार हो उठता है और पूरा क्षेत्र मेले, भक्ति और उल्लास के रंग में रंग जाता है।

कुछ वर्ष पहले तक जहाँ यह प्राचीन शिव मंदिर समय की मार झेल रहा था, वहीं आज केदारनाथ धाम की तर्ज पर निर्मित भव्य मंदिर श्रद्धालुओं को अपनी ओर आकर्षित कर रहा है। रात्रि में जब मंदिर रोशनी से जगमगाता है, तो सिद्ध बाबा पर्वत पर मानो दिव्यता स्वयं उतर आती है।

जिले के पुरातत्व एवं पर्यटन विभाग के नोडल अधिकारी व इतिहासकार डॉ. विनोद पांडेय बताते हैं कि सिद्ध बाबा धाम की आस्था की जड़ें वर्ष 1928 से जुड़ी हैं। उस समय कारीमाटी (वर्तमान झगड़ाखांड) क्षेत्र में कोयला खनन का कार्य प्रारंभ हुआ। उत्तर प्रदेश और बिहार से आए श्रमिकों ने इस पर्वत पर खुले में स्थित शिवलिंग की पूजा शुरू की।

धीरे-धीरे साधु-संतों और तपस्वियों का यहाँ आगमन होने लगा। वे महीनों तक इसी पहाड़ी पर साधना करते, शिव आराधना करते और फिर आगे बढ़ जाते। कठिन रास्तों और घने जंगलों के कारण आरंभ में स्थानीय लोग कम ही यहाँ पहुँच पाते थे, लेकिन समय के साथ यह स्थल ग्राम देवता और आस्था के केंद्र के रूप में स्थापित हो गया। नागरिकों, मंदिर समिति, व जनप्रतिनिधियों के सहयोग से मंदिर का कायाकल्प हुआ।

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी

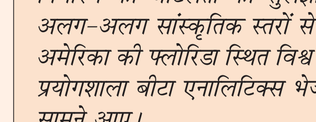

JITU'Z
CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

GST NO. 22AHMPB9621P1Z2
PH.: 0788-4060131

अनुप ट्रेडर्स
आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई
मो. 09826389666, 8839749539

ओ रोमियो से लेकर स्पिरिट तक, तृप्ति डिमरी के हाथ में कई बड़ी फिल्में, 2026 में छा जाने की है तैयारी

तृप्ति डिमरीबॉलीवुड एक्ट्रेस तृप्ति डिमरी आने वाले समय में कई शानदार फिल्मों में दिखाई देंगी। नया साल तृप्ति डिमरी के लिए काफी बिजी और खास होने वाला है, क्योंकि उनके पास बॉलीवुड से लेकर साउथ और ओटीटी प्रोजेक्ट्स तक लाइनअप तैयार है।

तृप्ति डिमरी ने साल 2017 में आई श्रेयर तलपड़े की 'पोस्टर बॉयज' से बॉलीवुड में अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की। इस फिल्म में वो सपोर्टिंग रोल में नजर आई थीं।

इसके बाद उन्हें 2018 की 'लैला मजनूं' में लीड रोल मिला, जिसमें उनकी परफॉर्मेंस ने खूब तारीफें बटोरीं। फिर ओटीटी पर 'बुलबुल' (2020) और 'कला' (2022) से तृप्ति को क्रिटिकल फेम मिला।

वहीं, रणबीर कपूर के साथ एनिमल (2023) में उनकी भूमिका ने उन्हें बड़ी पॉपुलैरिटी दिलाई और उन्हें 'नेशनल क्रश' बना दिया। इसके बाद भूल भुलैया 3 (2024) और धड़क 2 (2025) जैसी फिल्मों से उनका करियर और मजबूत हुआ है। वहीं अब एक्ट्रेस कई बेहतरीन फिल्मों में नजर आने वाली हैं। इनके पास प्रोजेक्ट्स की लाइन लग गई हैं।

बता दें, तृप्ति डिमरी शाहिद कपूर के साथ फिल्म ओ रोमियो में रोमांस करती नजर आएंगी। इस रोमांटिक फिल्म को विशाल भारद्वाज बना रहे हैं जो 13 फरवरी 2026 को रिलीज होने वाली है।

वहीं, एनिमल के बाद तृप्ति डिमरी एक बार फिर संदीप रेड्डी वांगा की फिल्म का हिस्सा बन गई हैं। अपकमिंग फिल्म स्पिरिट में तृप्ति साउथ स्टार प्रभास के साथ नजर आने वाली हैं। फिल्म से उनका फर्स्ट लुक भी सामने आ गया है, हालांकि अभी रिलीज डेट से पर्दा नहीं उठा है।

रिपोर्ट्स की मानें तो तृप्ति डिमरी ओटीटी प्रोजेक्ट मां-बहन का भी हिस्सा हैं। इस फिल्म में तृप्ति डिमरी माधुरी दीक्षित के साथ स्क्रीन शेयर करती दिखाई देंगी। ये एक कॉमेडी-ड्रामा होगी जो साल 2026 में ही ओटीटी पर दस्तक दे सकती है।

इसके अलावा खबरें हैं कि, तृप्ति डिमरी लीजेंड्री एक्ट्रेस परवीन बाबी की बायोपिक में लीड रोल अदा करने वाली हैं। पिंकविला की रिपोर्ट के मुताबिक इसे नेटफ्लिक्स के लिए एक लिमिटेड एडिशन सीरीज के रूप में बनाया जा रहा है। इस सीरीज को शोनाली बोस डायरेक्ट कर रही हैं जिसकी शूटिंग मार्च 2026 में शुरू हो सकती है।

भोजपुरी गाना कमर 28 रिलीज, आकांक्षा पुरी बोलीं बेहद खास है लिरिक्स

अभिनेत्री और सिंगर आकांक्षा पुरी का लेटेस्ट भोजपुरी सिंगल कमर 28 म्यूजिक लेबल टी-सीरीज के तहत रिलीज हो चुका है। इस गाने में आकांक्षा भोजपुरी सिंगर नीलकमल सिंह के साथ नजर आ रही हैं, जिसे काफी पसंद किया जा रहा है। गाने को लेकर आकांक्षा बेहद उत्साहित हैं, जिसे जाहिर करते हुए उन्होंने बताया कि कमर 28 उनके लिए बहुत खास है।

उन्होंने कहा, यह गाना विशेष रूप से मुझे ध्यान में रखकर लिखा गया है। यही कारण है कि यह मेरे इतने करीब और बेहद खास है। लिरिक्स अपना सा और पर्सनल फील देते हैं। गाने की लिरिक्स धीरज बाबुआन ने लिखी है, जबकि म्यूजिक एडीआर आनंद का है। आकांक्षा और नीलकमल की जोड़ी हाल के दिनों में सोशल मीडिया पर धूम मचा रही है। दर्शकों को उनकी केमिस्ट्री पसंद आ रही है। नीलकमल के साथ अपने रिश्ते पर आकांक्षा ने खुलकर बात की।

उन्होंने बताया, हमारे बीच काफी अच्छी बॉन्डिंग है और हम दोनों के बीच दोस्ती का खूबसूरत रिश्ता है। नीलकमल बहुत क्रिएटिव हैं और उनके साथ शूटिंग करना मजेदार लगता है। हम आउटफिट्स, हेयरस्टाइल से लेकर कलर थीम्स तक सब कुछ पहले से प्लान करते हैं, जिससे शूटिंग और भी रोमांचक हो जाती है। मुझे उनका इन्वॉल्वमेंट और डेडीकेशन बहुत पसंद है। उनके साथ काम करके उत्साहित हूं। कमर 28 के बाद आकांक्षा के अगले चार महीनों में चार और गाने रिलीज होने वाले हैं। आकांक्षा पुरी ने मुख्य रूप से म्यूजिक वीडियोज और गानों के जरिए भोजपुरी इंडस्ट्री में काफी लोकप्रियता हासिल की है। वह पवन सिंह के साथ तुझे ना देखूं तो चैन जैसे गाने में नजर आ चुकी हैं। वहीं, खेसारी लाल यादव के साथ उनकी जोड़ी सुपरहिट रही है, खेसारी के साथ आकांक्षा लटक जईब, बदनाम तहरा से, सरसों के तेलवा, लोहा गरम और अहिरान में काम कर चुकी हैं। ये गाने लाखों व्यूज बटोर चुके हैं।

वीडियो सॉन्ग के बाद आकांक्षा भोजपुरी फिल्मों में भी डेब्यू कर रही हैं। वह खेसारी लाल के साथ फिल्म अग्निपरीक्षा में नजर आएंगी।

वरुण धवन की 'है जवानी तो इश्क होना है' की रिलीज डेट हुई कंफर्म, 5 जून को बड़े पर्दे पर दस्तक देगी

है जवानी तो इश्क होना है से डेविड धवन एक बार फिर निर्देशक की कुर्सी पर वापसी कर रहे हैं। इस रोम-कॉम में वरुण धवन संग मृणाल ठाकुर और पूजा हेगड़े भी नजर आएंगीं। वहीं इस मच अवेटेड फिल्म को लेकर फैंस काफी एक्साइटेड हैं। पहले यह फिल्म अप्रैल 2026 में रिलीज होनी थी। लेकिन इसकी तारीख को आगे बढ़ा दिया गया था। फाइनली मेकर्स ने आज है जवानी तो इश्क होना है की नई रिलीज डेट अनाउंस कर दी है।

बता दें कि वरुण धवन स्टारर अपकमिंग फिल्म है जवानी तो इश्क होना है की रिलीज डेट आज अनाउंस हो गई है। इस फिल्म के मेकर्स ने इंस्टाग्राम पर इसकी रिलीज डेट अनाउंस करते हुए लिखा है, ड्रामा भी होना है, कॉमेडी भी क्योंकि जब है जवानी तो इश्क होना है 5 जून को बड़े पर्दे पर दस्तक देगी।

बता दें कि है जवानी तो प्यार होना है डेविड धवन की फिल्म बीवी नंबर 1 का एक पॉपुलर सॉन्ग है, जिसमें सलमान खान, करिश्मा कपूर और सुष्मिता सेन हैं। माना जा रहा है कि अपकमिंग ड्रामा फिल्म का नाम इस पॉपुलर ट्रैक से इंस्पायर है। ओटीटी प्ले की रिपोर्ट के मुताबिक एक सोर्स ने बताया है, ये एक यूनिक टाइटल है जो उस दुनिया से मे ल खाता है जिसे डेविड धवन वरुण धवन, मृणाल ठाकुर और श्रीलेला के साथ रचने की सोच रहे हैं। ये एक मज़ेदार फैमिली एंटरटेनर है जिसके सेंटर में तीनों का लव ट्रायंगल है। डेविड धवन ने एक नया और अनोखा कॉन्सेप्ट तैयार किया है और उन्हें बड़े पर्दे पर कॉमेडी का जादू फिर से जगाने का पूरा भरोसा है।

इस बीच वरुण धवन की अपकमिंग फिल्मों की बात करें तो वे हाल ही में जाह्नवी कपूर के साथ सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी में नजर आए थे। अब वरुण वॉर बेस्ड ड्रामा बॉर्डर 2 में नजर आएंगे ये फिल्म 22 जनवरी, 2026 को रिलीज़ होगी। इसके अलावा खबर है कि वह नो एंट्री में में भी नज़र आएंगे। उनकी मच अवेटेड फिल्मों में मैडॉक हॉरर कॉमेडी यूनिवर्स की फिल्म भेड़िया 2 भी कतार में है।

रानी मुखर्जी की फिल्म मर्दानी 3 की नई रिलीज डेट आई सामने, एक बार फिर बुराई खत्म करने निकली शिवानी

मर्दानी 3 इस साल की मोस्ट अवेटिड फिल्मों में से एक हैं. फैंस इस फिल्म का लंबे समय से इंतजार कर रहे थे मगर अब ये इंतजार ज्यादा दिन का नहीं होने वाला है। रानी मुखर्जी एक बार फिर सुपरकॉप शिवानी शिवाजी रॉय बनकर वापसी कर रही हैं। रानी मुखर्जी को बड़े पर्दे पर देखना शानदार होगा।

मेकर्स ने मर्दानी 3 की रिलीज डेट की अनाउंसमेंट कर दी है। इसके साथ ही फिल्म का नया पोस्टर भी रिलीज किया है। पोस्टर में रानी मुखर्जी भारत में लापता हुईं लड़कियों को ढूंढती नजर आ रही हैं। उनका इस बार अंदाज बिल्कुल पहले की तरह ही है। बस इस बार एक्शन और ज्यादा नजर आएगा।

यशराज फिल्म्स ने सोशल मीडिया पर पोस्टर शेयर करके जानकारी दी है कि फिल्म 30 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। उन्होंने फिल्म का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा- वो तब तक नहीं रुकेगी, जब तक वह उन सभी को बचा नहीं लेती! रानी मुखर्जी निडर पुलिस ऑफिसर शिवानी शिवाजी रॉय के रूप में मर्दानी 3 में वापस आ रही हैं। 30 जनवरी को रिलीज होगी।

बता दें मर्दानी 3 पहले सिनेमाघरों में 27 फरवरी को रिलीज होने वाली थी। मगर अब इस फिल्म को जल्दी रिलीज किया जा रहा है। फिल्म की रिलीज डेट पहले आने से फैंस बहुत एक्साइटेड हैं और पोस्टर देखकर ढेर सारे कमेंट कर रहे हैं। यशराज ने जो पोस्टर शेयर किया है उस पर फैंस ढेर सारे कमेंट कर रहे हैं। एक ने लिखा-रानी इज बैक।

ब्रेड से सैंडविच के अलावा भी बनाकर खाए जा सकते हैं ये 5 लजीज व्यंजन

ज्यादातर लोग सुबह के नाश्ते में ब्रेड खाना पसंद करते हैं। यह कार्ब्स का बढ़िया स्त्रोत है और पेट भी भर देती है। आम तौर पर लोग या तो ब्रेड में मक्खन लगा कर खा लेते हैं या फिर उसका सैंडविच बना लेते हैं। हालांकि, इस खाद्य पदार्थ से सैंडविच के अलावा भी कई स्वादिष्ट व्यंजन बनाए जा सकते हैं। आज के लेख में हम आपको ब्रेड के 5 लजीज पकवानों की रेसिपी बताने वाले हैं।

ब्रेड पोहा बेहतरीन नाश्ता है, जो बच्चों को खास तौर से पसंद आता है। इसके लिए पैन में तेल गर्म करके उसमें राई, करी पत्ते और मिर्च भूनें। अब इसमें बारीक कटे प्याज, गाजर, शिमला मिर्च और बींस को अच्छी तरह भून लें। इसके बाद इसमें हल्दी और टमाटर डालकर पकने दें। ब्रेड को छोटे टुकड़ों में काटकर इसमें डालें। इसमें नमक, लाल मिर्च पाउडर और गरम मसाला मिलाएं। प्लेट में निकालकर इस पर नींबू का रस और धनिया छिड़कें।

ब्रेड लजानिया

ब्रेड लजानिया बनाने के लिए क्रीम, मक्खन, मैदा, चीज और सीजनिंग मिलाकर सफेद सॉस तैयार करें। इसके बाद शिमला मिर्च, गाजर, कॉर्न, प्याज, मशरूम, मिर्च और पसंद की सब्जियों को काटकर भून लें। इसमें मसाले और पिज्जा-पास्ता सॉस शामिल करें। एक बेकिंग डिश में ब्रेड की परत बिछाएं और ऊपर से दोनों सॉस और चीज भी डालें। एक-एक करके परत बनाते जाएं और लजानिया को बेक कर लें। ऊपर से चिली फ्लेक्स और ओरिगैनो जैसी सीजनिंग डालकर खाएं।

ब्रेड पिज्जा

पिज्जा खाने का मन करे तो झटपट ब्रेड पिज्जा बनाकर खा लें। इसके लिए पिज्जा बेस की जगह पर ब्रेड का इस्तेमाल किया जाएगा। ब्रेड के ऊपर मक्खन, पिज्जा-पास्ता सॉस, मेयोनीज और चीज स्प्रेड लगाएं। इसके बाद इसपर टमाटर, मशरूम, कॉर्न, पनीर, प्याज, शिमला मिर्च और ब्रोकली आदि रखें। ऊपर से मोजेरेला चीज डालें और सीजनिंग भी छिड़क दें। अब ब्रेड को तवे पर ढककर सेक लें और आपका ब्रेड पिज्जा तैयार हो जाएगा।

ब्रेड पकौड़ा

ब्रेड से बनने वाले पकौड़े चाय के साथ बहुत स्वादिष्ट लगते हैं। इसके लिए उबले आलू में मसाले मिलाकर एक जायकेदार फिलिंग तैयार करें। इसके बाद एक कटोरे में नमक, बेसन, पानी और मसाले मिलाकर घोल तैयार करें। 2 ब्रेड के बीच में फिलिंग भरें और उसे बेसन वाले घोल में डुबोएं। अब कढ़ाई में तेल गर्म करके पकौड़ों को तल लें। इन्हें हरी चटनी और सॉस के साथ परोसें।

ब्रेड ढोकला

ब्रेड ढोकला तैयार करने के लिए पहले ब्रेड के किनारे वाले भूरे हिस्से को काट लें। एक कटोरे में दही, ताजा कटा हरा धनिया, हरी मिर्च, नमक और काली मिर्च का पाउडर मिलाएं। इस मिश्रण को ब्रेड पर फैलाएं और ऊपर से दूसरी ब्रेड रख दें। तवे पर तेल गर्म करें और उसमें राई, हल्दी और करी पत्तों को भूनें। अब इस तड़के पर ब्रेड वाले ढोकले रखें और उन्हें दोनों तरफ से सेंकने के बाद चटनी के साथ खाएं।

खास खबर

धान उपार्जन केन्द्रों की पारदर्शी व्यवस्था किसानों में सरकार के प्रति बढ़ा विश्वास

रायपुर। जिले के धान उपार्जन केन्द्रों में पारदर्शी एवं किसान-हितैषी व्यवस्था से धान विक्रय की प्रक्रिया सुगम, सरल और आसान हो गई है। डिजिटल सुविधाओं, सुव्यवस्थित व्यवस्थाओं और त्वरित सेवाओं के कारण किसानों को राहत मिल रही है। इसका प्रत्यक्ष अनुभव बतौली विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत कुनिया कला के निवासी अजय राजवाड़े ने साझा किया। अजय राजवाड़े ने बताया कि उनके पिता शिवधारी राजवाड़े, लघु वर्ग के किसान हैं, जिनके पास कुल 95 क्विंटल धान का रकबा है। उन्होंने बताया कि किसान तुहंर टोकन ऐप के माध्यम से घर बैठे उन्होंने 92.50 क्विंटल धान का टोकन आसानी से काट लिया था। डिजिटल प्रणाली के चलते टोकन कटाने में किसानों को किसी भी प्रकार की दिक्कत नहीं हुई और पूरी प्रक्रिया सरल एवं पारदर्शी रही। उन्होंने बताया कि नवानगर धान उपार्जन केन्द्र पहुंचते ही किसानों को तत्काल गेट पास, नमी परीक्षण तथा बारदाना उपलब्ध करा दिया गया, जिससे धान विक्रय में किसी भी प्रकार की बाधा नहीं आई। उपार्जन केन्द्र पर किसानों की सुविधा का विशेष ध्यान रखा जा रहा है। समिति केन्द्र में पेयजल एवं छाया में बैठने की व्यवस्था उपलब्ध है, वहीं समिति के कर्मचारियों द्वारा किसानों को हर स्तर पर सहयोग प्रदान किया जा रहा है। अजय राजवाड़े ने बताया कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन में प्रदेश में धान का सर्वाधिक मूल्य 3100 रुपये प्रति क्विंटल दिया जा रहा है तथा प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान की खरीदी की जा रही है। इससे किसानों को सीधा आर्थिक लाभ मिल रहा है और जिससे आर्थिक स्थिति में सुधार हो रही है। उन्होंने यह भी बताया कि पिछले वर्ष धान विक्रय से प्राप्त आय से उन्होंने गेहूं, तिलहन, सब्जी सहित अन्य फसलों की खेती की, जिससे उन्हें अच्छी आमदनी हुई।

छत्तीसगढ़ी को आठवीं अनुसूची में शामिल कराने का संकल्प

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ी भाषा को संविधान की आठवीं अनुसूची में शीघ्र स्थान दिलाने के दृढ़ संकल्प के साथ छत्तीसगढ़ राजभाषा आयोग का दो दिवसीय नौवां प्रांतीय सम्मेलन संपन्न हुआ। बिलासपुर में आयोजित इस सम्मेलन में भाषा, साहित्य और प्रशासन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर गहन मंथन हुआ और छत्तीसगढ़ी को जनभाषा से आगे बढ़ाकर संवैधानिक पहचान दिलाने की आवश्यकता पर एक स्वर में जोर दिया गया। सम्मेलन के सातवें सत्र में 'छत्तीसगढ़ी भाषा का स्थानीय बोलियों के साथ अंतर्संबंध' विषय पर विचार रखे गए। वक्ताओं ने कहा कि सरगुजिया, हल्बी, कुडुख जैसी स्थानीय बोलियां छत्तीसगढ़ी की आत्मा हैं और इन्हीं से इसकी भाषाई शक्ति और विविधता बनती है। डॉ. सुधीर पाठक, रुद्र नारायण पाणिग्रही और डॉ. ईशाबेला लकरा ने शोध आधारित प्रस्तुतियों के माध्यम से इन भाषाओं के छत्तीसगढ़ी से गहरे रिश्तों को रेखांकित किया। सत्र की अध्यक्षता डॉ. राघवेंद्र कुमार दुबे ने की। आठवें सत्र में 'प्रशासनिक कार्य-व्यवहार में छत्तीसगढ़ी' पर केंद्रित संगोष्ठी हुई। न्यायमूर्ति चन्द्रभूषण वाजपेयी की अध्यक्षता में आयोजित इस सत्र में वक्ताओं ने कहा कि शासन को जनता के करीब लाने के लिए प्रशासनिक कामकाज में छत्तीसगढ़ी का प्रयोग समय की मांग है। विशेषज्ञों ने इसे लोकतंत्र को अधिक संवेदनशील और प्रभावी बनाने का माध्यम बताया। छत्तीसगढ़ी' विषय पर चर्चा हुई, जिसमें छत्तीसगढ़ी काव्य परंपरा की समृद्धि और छंदबद्ध साहित्य की वर्तमान प्रासंगिकता पर प्रकाश डाला गया।

जनजातीय क्षेत्रों के समग्र विकास के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है सरकार : मुख्यमंत्री साय

जनजातीय गौरव पथ' के निर्माण और महापुरुषों की प्रतिमाएं स्थापित करने की घोषणा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय कोरबा जिले के महर्षि वाल्मीकि आश्रम, आईटीआई रामपुर में आयोजित गौरा पूजा महोत्सव एवं बैगा पुजेरी सम्मेलन में शामिल हुए। उन्होंने गौरा-गौरी पूजन तथा बैगा पुजारी सम्मेलन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आदिवासी समाज का अपना गौरवशाली इतिहास, विशिष्ट संस्कृति और समृद्ध परंपराएं हैं। बैगा और पुजेरी समाज आज भी इन परंपराओं के संरक्षण में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने इस अवसर पर आईटीआई चौक से बालको रोड का नाम 'जनजातीय गौरव पथ' रखने तथा इस मार्ग के प्रारंभिक बिंदु पर जनजातीय महापुरुषों की प्रतिमाएं स्थापित करने की घोषणा की।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि देश के पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी ने छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण इसलिए किया था ताकि यहां की सर्वाधिक जनसंख्या वाले आदिवासी समाज को विकास की मुख्यधारा में आगे बढ़ाया जा सके। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने जनजातीय समाज का मान-सम्मान बढ़ाने के लिए 15 नवंबर शहीद बिरसा मुंडा जयंती को जनजातीय गौरव दिवस घोषित करते हुए धरती आबा उत्कर्ष योजना प्रारंभ की। इसके साथ ही पीएम जनमन योजना के माध्यम से विशेष पिछड़ी जनजातियों को विकास के दायरे में लाने का कार्य किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि यह गर्व का विषय है कि आज देश के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर आदिवासी समाज की बेटी राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु आसीन हैं और छत्तीसगढ़ का मुख्यमंत्री भी एक साधारण किसान परिवार से आने वाला आदिवासी समाज का बेटा है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि धरती आबा ग्राम उत्कर्ष योजना के लिए 80 हजार करोड़ रुपये तथा पीएम जनमन योजना के लिए 24 हजार करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, जिससे छत्तीसगढ़ के 6,691 गांव लाभान्वित हो रहे हैं।उन्होंने कहा कि पहाड़ी कोरवा, बिरहोर सहित अन्य पीवीटीजी समुदायों के उत्थान के लिए विशेष प्रयास किए जा रहे हैं। आदिवासी अंचलों में सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा और अन्य बुनियादी सुविधाओं का तेजी से विस्तार हो रहा है। इसके लिए राज्य में प्राधिकरण का गठन कर आदिवासी एवं पिछड़े क्षेत्रों में विकास कार्यों को और अधिक गति दी जा रही है।

मुख्यमंत्री साय ने अपने जीवन का उल्लेख करते हुए कहा कि अपनी पढ़ाई पूरी करने के बाद उन्होंने स्वयं भी वनवासी कल्याण आश्रम में कार्यकर्ता के रूप में कार्य किया है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज आदिकाल से भगवान गौरागौरी के रूप में शिव-पार्वती के उपासक रहे हैं। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज के महापुरुषों के योगदान को स्मरणीय बनाने, उनकी स्मृतियों को सहेजने और नई पीढ़ी को उनके बारे में जानकारी देने के उद्देश्य से नवा रायपुर में विशाल डिजिटल जनजातीय संग्रहालय स्थापित किया गया है, जिसमें महापुरुषों की जीवन-गाथाओं का सचित्र वर्णन किया गया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि जनजातीय संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण को प्रोत्साहित करने हेतु बैगा, गुनिया और सिरहा को प्रतिवर्ष 5,000 रुपये की सम्मान निधि प्रदान की जा रही है। साथ ही सरना स्थलों का संरक्षण किया जाएगा, जो न केवल सांस्कृतिक धरोहरों की रक्षा करेगा बल्कि आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम सिद्ध होगा। सम्मेलन को संबोधित करते हुए उद्योग मंत्री लखनलाल देवांगन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विकसित भारत का लक्ष्य लेकर आगे बढ़ रहे हैं, उसी प्रकार मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में विकसित छत्तीसगढ़ की दिशा में तेजी से कार्य हो रहा है। उन्होंने कहा कि जिले में अनेक प्राचीन देवी-देवताओं के स्थल हैं, जिन्हें मुख्यमंत्री साय के मार्गदर्शन में विकसित कर पर्यटन के रूप में नई पहचान दी जा रही है। कार्यक्रम में कटघोरा विधायक प्रेमचंद पटेल, वनवासी कल्याण आश्रम के पदाधिकारी पनतराम भगत एवं बीरबल सिंह ने भी संबोधन दिया। इस अवसर पर महापौर संजू देवी राजपूत, पूर्व मंत्री ननकी राम कंवर, वनवासी कल्याण आश्रम के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधिगण एवं बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

वीबी जी राम जीः डबरी निर्माण ननकू के लिए बना आय का साधन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका के साधनों को सुदृढ़ करने तथा किसानों को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एण्ड आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी जी राम जी) के अंतर्गत सरगुजा जिले में विभिन्न हितग्राही मूलक कार्य कराए जा रहे हैं। इसी कड़ी में जनपद पंचायत उदयपुर अंतर्गत ग्राम पंचायत चकेरी में हितग्राही ननकू के खेत में आजीविका डबरी निर्माण कार्य स्वीकृत किया गया है।

इस कार्य के लिए शासन द्वारा 1.99 लाख रुपये की स्वीकृत राशि प्रदान की गई है, जिसमें से अब तक 1.82568 लाख रुपये की राशि व्यय की जा चुकी है। आजीविका डबरी निर्माण कार्य का प्रारंभ दिनांक 17 दिसंबर 2025 प्रारंभ हुआ था जिसका कार्य प्रगति पर है और निर्धारित मानकों के अनुरूप कराया जा रहा है।

आजीविका डबरी के निर्माण से हितग्राही को वर्षा जल संचयन की सुविधा मिलेगी, जिससे सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध रहेगा। इससे फसलों की उत्पादकता बढ़ेगी तथा मछली पालन, सब्जी उत्पादन एवं अन्य आयवर्धक गतिविधियों के अवसर भी सृजित होंगे। साथ ही, वीबी जी राम जी के तहत स्थानीय श्रमिकों को रोजगार उपलब्ध होने से ग्रामीण परिवारों की आय में भी वृद्धि हो रही है।

हितग्राही ननकू ने बताया कि डबरी निर्माण से खेत में पानी की समस्या का स्थायी समाधान होगा और इससे कृषि के साथ-साथ अन्य आजीविका गतिविधियां भी संभव हो सकेंगी। उन्होंने शासन की इस योजना को ग्रामीणों के लिए उपयोगी बताते हुए इसके लिए आभार व्यक्त किया।

उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन एवं जनपद पंचायत उदयपुर द्वारा वीबी जी राम जी के माध्यम से जल संरक्षण एवं आजीविका संवर्धन से जुड़े कार्यों को प्राथमिकता दी जा रही है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल रही है और गांवों में सतत विकास को बढ़ावा मिल रहा है।

सांसद बृजमोहन ने राजधानी में 10 करोड़ रूपए के विकास कार्यों का भूमिपूजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। विकास ही भाजपा सरकार का मूल मंत्र है। यही कारण है कि पिछले 2 साल में छत्तीसगढ़ में विकास कार्यों की गति तेज हुई है। यह बात रायपुर सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता बृजमोहन अग्रवाल ने रविवार को राजधानी में विभिन्न विकास कार्यों के भूमिपूजन के अवसर पर कही।

सांसद अग्रवाल ने भनपुरी के यतियतन लाल वार्ड क्रमांक 4 में 10 करोड़ रुपये की लागत से विभिन्न स्थानों पर किए जाने वाले डामरीकरण और कंक्रीटीकरण कार्यों का भूमि पूजन किया।

मुख्य विकास कार्यों का विवरणः 479.44 लाख की लागत से पाटीदार भवन से रिंग रोड-2 तक लगभग 2 कि.मी. सड़क का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण। 296.59 लाख की लागत से वार्ड 4 में विभिन्न मार्गों का चौड़ीकरण एवं मजबूतीकरण। 266.50 लाख की लागत से गोवर्धन नगर-गोविंद नगर, भनपुरी में 4.68 कि.मी. चतुर्दिक मार्ग का डामरीकरण, कंक्रीटीकरण और नाली निर्माण। सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि भाजपा सरकार के प्रयासों से रायपुर लोकसभा क्षेत्र समेत पूरे छत्तीसगढ़ में विकास की नई गति देखी जा रही है।

फ्लॉवर डेकोरेशन प्रतियोगिता में बोरियाकला हायर सेकेंडरी स्कूल का शानदार प्रदर्शन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव के अवसर पर नेहरू उद्यान, रायपुर में आयोजित फ्लॉवर डेकोरेशन प्रतियोगिता में बोरियाकला उच्चत्तर माध्यमिक विद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया।

प्रतियोगिता में विद्यालय की छात्रा शिखा साहु ने अपने सृजनात्मक कौशल का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया, वहीं छात्र ऋषभ रात्रे ने तृतीय स्थान हासिल कर विद्यालय की उपलब्धियों में एक और उपलब्धि जोड़ी। इस सफलता में विद्यालय की शिक्षिका दिव्या त्रिपाठी के कुशल मार्गदर्शन एवं विद्यालय के प्राचार्य के प्रेरणादायी सहयोग की महत्वपूर्ण भूमिका रही। विद्यालय परिवार ने दोनों विद्यार्थियों की इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर उन्हें हार्दिक बधाई दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

लखपति दीदी राशोबाई ने मेहनत और समूह सहयोग से कायम की आत्मनिर्भरता की मिसाल

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। जहाँ चाह वहां राह इस उक्ति को चरितार्थ कर दिखाया है,कोंडागांव जिले के विकासखंड फरसगांव अंतर्गत ग्राम पंचायत बानगांव की रहने वाली श्रीमती राशोबाई मरकाम ने राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन 'बिहान' के अंतर्गत स्व सहायता समूह से जुड़कर न केवल अपने जीवन को नई दिशा दी, बल्कि आत्मनिर्भरता की मिसाल भी कायम की है। राशोबाई आज विभिन्न आजीविका गतिविधियां शुरूकर 01 लाख रूपए से अधिक की आमदनी प्राप्त कर रही हैं।

जय माता दी स्व सहायता समूह की सदस्य राशोबाई स्व सहायता समूह से जुड़ने से पहले कृषि मजदूरी कर अपने परिवार का भरण-पोषण करती थीं और घर के कार्यों तक ही सीमित थी। आय के सीमित साधन होने के कारण परिवार की वार्षिक आय केवल 48 हजार रुपये थी, जिससे दैनिक जरूरतों को पूरा करना काफी मुश्किल होता था और परिवार का पालन पोषण बेहतर ढंग से नहीं हो पाता था। स्व सहायता समूह से जुड़ने के पश्चात उन्हें समूह के माध्यम से आरएफ अनुदान राशि 15 हजार रुपये और सीआईएफ ऋण राशि 60 हजार रुपये प्राप्त हुई। इस सहयोग से उन्होंने कृषि कार्य के साथ-साथ किराना दुकान संचालन एवं मछली पालन जैसी विभिन्न आजीविका गतिविधियां शुरू कीं। जिला प्रशासन की एनआरएलएम टीम के मार्गदर्शन से उनका आत्मविश्वास बढ़ा और उक्त आजीविका गतिविधियों के सफल संचालन से राशोबाई मरकाम की वार्षिक आय बढ़कर लगभग 1 लाख 67 हजार रुपये हो गई है। वर्तमान में वे पूर्व की तुलना में दोगुना आय अर्जित कर रही हैं। इससे उनके परिवार की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हुई है तथा जीवन स्तर में सुखद बदलाव आया है। आज श्रीमती राशोबाई मरकाम ने अपनी मेहनत, लगन और समूह के सहयोग से न केवल आत्मनिर्भर हुई हैं, बल्कि अपने परिवार के लिए एक मजबूत आर्थिक सहारा भी बनी है। उन्होंने शासन की योजनाओं से मिली सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

उल्लेखनीय है कि एनआरएलएम 'बिहान' योजना के अंतर्गत स्व सहायता समूहों एवं टीम के सतत प्रयासों से ग्रामीण महिलाओं को सशक्त एवं आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरंतर कार्य किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक महिलाएं लखपति दीदी बनकर आत्मसम्मान के साथ जीवन यापन कर सकें।

बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ की दिशा में राज्यव्यापी जन-जागरूकता अभियान

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ को बाल विवाह मुक्त राज्य बनाने के लक्ष्य के साथ महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा बाल विवाह मुक्त भारत एवं बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान के अंतर्गत प्रदेशभर में व्यापक जन-जागरूकता कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। मिशन वात्सल्य के अंतर्गत जिला बाल संरक्षण इकाइयों के माध्यम से विद्यालयों, महाविद्यालयों, ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों में लगातार जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही हैं।

अभियान के तहत विद्यार्थियों एवं आम नागरिकों को बाल विवाह के दुष्परिणामों, कानूनी प्रावधानों तथा इसकी रोकथाम में समाज की भूमिका के प्रति जागरूक किया जा रहा है। कार्यक्रमों के दौरान ऑनलाइन लिंक एवं क्यूआर कोड के माध्यम से लोगों को बाल विवाह मुक्त रहने की शपथ दिलाई जा रही है तथा सहभागियों को डिजिटल प्रमाण पत्र भी प्रदान किए जा रहे हैं। प्रदेश के विभिन्न जिलों में बड़ी संख्या में विद्यार्थियों एवं ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक इस अभियान में सहभागिता निभाई है।

जागरूकता सत्रों में बताया गया कि वर्तमान में बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2006 के अंतर्गत विवाह के लिए लड़की की न्यूनतम आयु 18 वर्ष एवं लड़के की 21 वर्ष निर्धारित है। कम उम्र में विवाह कराने पर दो वर्ष तक का कठोर कारावास एवं एक लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है। शासन द्वारा 17 जनवरी 2025 से ग्राम पंचायत सचिवों को बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारी नियुक्त किया गया है तथा पंचायतों में विवाह पंजीयन को अनिवार्य किया गया है।

कार्यक्रमों में यह भी स्पष्ट किया गया कि बाल विवाह कराना कानूनन अपराध है और इसे क्रूरता की श्रेणी में रखा गया है, जिसे माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने भी अपने निर्णय में स्पष्ट किया है। यदि कहीं बाल विवाह की सूचना मिले, तो इसकी तत्काल जानकारी पंचायत सचिव, संबंधित विभाग अथवा चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 एवं 181 पर देने की अपील की गई। राज्य सरकार का लक्ष्य सभी ग्राम पंचायतों एवं नगरीय निकायों को बाल विवाह मुक्त घोषित करना है। इस दिशा में निरंतर चल रहे जागरूकता अभियानों से समाज में सकारात्मक परिवर्तन दिखाई दे रहा है और बाल विवाह के विरुद्ध सामूहिक संकल्प मजबूत हो रहा है।

पीएम-जनमन से सुदूर अंचलों में बदली विकास की तस्वीर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम-जनमन) योजना के प्रभावी क्रियान्वयन से रायगढ़ जिले के सुदूर और दुर्गम विशेष पिछड़ी जनजाति अंचलों में विकास की नई तस्वीर सामने आने लगी है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के संकल्प के अनुसार प्रशासन द्वारा अंतिम व्यक्ति तक मूलभूत सुविधाएं पहुँचाने के लिए रायगढ़ जिले में आवास, सड़क, पेयजल, स्वास्थ्य, बिजली और संचार सुविधाओं का विस्तार तेजी से किया जा रहा है।

कलेक्टर श्री मयंक चतुर्वेदी के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा योजनाओं का क्रियान्वयन पारदर्शिता, गुणवत्ता और समयबद्धता के साथ सुनिश्चित किया जा रहा है। नियमित समीक्षा बैठकों और विभागीय समन्वय के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जा रहा है कि योजना का लाभ वास्तविक जरूरतमंद विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों तक पहुँचे।

पीएम-जनमन योजना के अंतर्गत जिले में 173 पक्के आवासों के लक्ष्य के विरुद्ध 161 आवासों का निर्माण पूर्ण किया जा चुका है। ये आवास विशेष पिछड़ी जनजाति परिवारों के लिए सुरक्षित जीवन, सामाजिक सम्मान और स्थायित्व का आधार बने हैं। साथ ही, दुर्गम बसाहटों को मुख्य मार्गों से जोड़ने हेतु 13 संपर्क सड़कों के लक्ष्य में से 5 सड़कों का निर्माण पूरा हो चुका है, जिससे शिक्षा, स्वास्थ्य और आजीविका के अवसर सुलभ हुए हैं। योजना के तहत 327 घरों में पाइपलाइन एवं सामुदायिक जलापूर्ति की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। मुख्यमंत्री हाट-बाजार क्लिनिक योजना के अंतर्गत 2 मोबाइल मेडिकल यूनिट के माध्यम से 5 सुदूर बसाहटों में नियमित स्वास्थ्य सेवाएं दी जा रही हैं। विद्युत विस्तार के तहत 28 घरों में ग्रिड और 27 घरों में सोलर ऊर्जा से बिजली पहुंचाई गई है, वहीं 2 मोबाइल टावरों की स्थापना से संचार सुविधा भी सुदृढ़ हुई है।

CAR DECOR
House Of Exclusive Seat Cover, Car Stereos Matting & Sun Control Film & Other Accessories
Shop No.3 Nafish Tower. Opp. Indian Coffee House, Akashganga, Bhilai
Mo.9300771925, 0788-4030919
K. Satyanarayan

ॐ SAIRAM Mobile Accessories
मोबाईल शॉप में कार्य करने हेतु लड़को की आवश्यकता है
7000415602
Shop No. 78, Himalaya Complex, Supela, Bhilai

ROCKEY INDUSTRIES FURNITURE PALACE
Deals in: (Steel & Wooden) Luxury & Imported Furniture
Akash Ganga, Supela, Bhilai Ph. 2296430

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरत्न उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है
मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

Jaquar Roca Parryware AJAY FLOWLINE
Shri Vijay Enterprises
Sanitarywares, Tiles, CPVC Pipes & Bathroom Fittings etc.
Supela Market, Bhilai
PH. 0788-4030909, 2295573

खास खबर

तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने बाइक सवारों को मारी टक्कर, दो युवक गंभीर

कोरबा। अजगरबहार-कोसगई गांव मार्ग पर ग्राम धनगांव के कोसम नाला के पास तेज रफ्तार स्कॉर्पियो वाहन ने बाइक सवारों को जोरदार टक्कर मार दी। इस दर्दनाक सड़क हादसे में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार स्कॉर्पियो वाहन क्रमांक सीजी-10-बी एक्स-7583 अजगरबहार की ओर से आ रही थी। इसी दौरान सामने से जा रही बाइक को उसने जबरदस्त टक्कर मार दी। हादसे के बाद स्कॉर्पियो चालक मौके से वाहन लेकर फरार हो गया। दुर्घटना होते ही इलाके में अफरा-तफरी मच गई। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए दोनों घायलों को तत्काल नजदीकी अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उनकी हालत गंभीर बताई है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा फरार वाहन चालक की तलाश की जा रही है तथा आसपास के क्षेत्रों में नाकाबंदी कर पूछताछ भी की जा रही है। मामले में आगे की कार्रवाई जारी है।

बिलासपुर में प्रार्थना सभा की आड़ में मतांतरण का आरोप, पास्टर गिरफ्तार

बिलासपुर। जिले में एक बार फिर कथित धर्मांतरण का मामला सामने आया है। मल्हार चौकी क्षेत्र के दबावपारा इलाके में प्रार्थना सभा के नाम पर ग्रामीणों को प्रलोभन देकर मतांतरण कराए जाने का आरोप लगा है। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की और एक पास्टर को गिरफ्तार किया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, दबावपारा क्षेत्र में आयोजित प्रार्थना सभा में करीब 30 से 35 महिलाएं, पुरुष और बच्चे शामिल थे। आरोप है कि ग्रामीण हिंदुओं को भोजन और इलाज जैसी सुविधाओं का लालच देकर धर्म परिवर्तन के लिए प्रेरित किया जा रहा था। मामले की सूचना मिलते ही हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता मल्हार चौकी पहुंचे और घटना की शिकायत दर्ज कराई। इसके बाद पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच-पड़ताल की। जांच के दौरान मिले साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने पास्टर रामकुमार केवट को हिरासत में लेकर गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है और संबंधित धाराओं के तहत आगे की कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

रायपुर में छिपे हुए थे पंजाब के खतरनाक शूटर

रायपुर । पंजाब के अमृतसर में एक शादी समारोह के दौरान आम आदमी पार्टी के सरपंच की सरेआम हत्या के सनसनीखेज मामले में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। तरनतारन जिले के वल्टोहा गांव के सरपंच जरमल सिंह की गोली मारकर हत्या करने वाले दो आरोपियों को पंजाब पुलिस ने रायपुर से गिरफ्तार किया है, जिन्हें कोर्ट में पेश कर ट्रांजिट रिमांड पर लेने की प्रक्रिया की जा रही है। यह वारदात 4 जनवरी को अमृतसर के मैरी गोल्ड रिजॉर्ट नामक मैरिज पैलेस में हुई थी। सरपंच जरमल सिंह एक शादी समारोह में लड़की पक्ष की ओर से शामिल होने पहुंचे थे। इसी दौरान दो बदमाश बेखौफ अंदाज में उनके पास पहुंचे और पीछे से सिर में गोली मार दी। गोली लगते ही सरपंच वहीं टेबल पर गिर पड़े। उन्हें गंभीर हालत में अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मैरिज पैलेस में लगे सीसीटीवी कैमरे में पूरी वारदात कैद हो गई है। वीडियो में साफ दिखाई देता है कि दोनों हमलावर बिना मुंह ढके धीरे-धीरे सरपंच के पास पहुंचते हैं। एक आगे चलता है और दूसरा उसके पीछे। दोनों अपने कपड़ों में छिपाई गई पिस्टल निकालते हैं और आगे वाला आरोपी खाना खा रहे सरपंच के पास पहुंचकर पीछे से सीधे सिर में गोली मार देता है। इसके बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो जाते हैं। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और जांच में जुटी।

रायपुर में शराब पार्टी में दोस्त को चाकू से काट-डाला, हालत गंभीर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर में देर रात शराब पार्टी के दौरान दोस्तों के बीच हुई चाकूबाजी में एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल का अस्पताल में इलाज जारी है। मामला तेलीबांधा थाना क्षेत्र का है। मृतक की पहचान भनपुरी निवासी आदित्य कुर्रे (21) के रूप में हुई है।

वहीं, काशीराम नगर में रहने वाला दोस्त अभय सारथी (20) गंभीर रूप से घायल है। आदित्य अपने ही दोस्तों के साथ शराब पी रहा था। बाद में उनमें वर्चस्व को लेकर विवाद हुआ। इसी विवाद में पांच दोस्तों ने घेरकर आदित्य पर चाकू से हमला कर दिया। जिससे उसकी मौत हो गई। मामले में चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है। जबकि एक आरोपी अभी भी फरार है। इस पूरे घटनाक्रम का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है। सभी आरोपी आपराधिक प्रवृत्ति के हैं।

जानिए क्या है पूरा मामला ?

दरअसल, श्याम नगर इलाके में रविवार रात 10 बजे आदित्य अपने दोस्त अभय के साथ लोकेश विश्वकर्मा, रजत दौडिया, अनुज यादव, आकाश विश्वकर्मा, दिव्यांश ध्रुव से मिलने पहुंचा था। सभी ने साथ बैठकर शराब पी। इस बीच उनमें पुरानी बात को लेकर विवाद शुरू हो गया। जो वर्चस्व की लड़ाई तक जा पहुंचा। हाथापाई हुई तो लोकेश, रजत, आकाश, दिव्यांश ने आदित्य और अभय पर चाकू से हमला कर दिया। जिससे आदित्य की मौके पर ही मौत हो गई।

जबकि अभय घायल अवस्था में पड़ा रहा। वारदात के बाद सभी आरोपी मौके से भाग निकले। चाकूबाजी के बाद स्थानीय लोग गली में पहुंचे तो गली लहूलुहान दिखी। अभय भी खून से लथपथ पड़ा था। इसके बाद उन्होंने तुरंत मामले की जानकारी पुलिस को दी।

घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचा। जहां उसका इलाज जारी है। घटनास्थल पर पुलिस को चप्पल, सिगरेट के पैकेट और संघर्ष के निशान मिले है। पुलिस ने लोकेश, रजत, अनुज, आकाश को गिरफ्तार किया है। जबकि दिव्यांश फरार है। सभी आरोपियों की उम्र करीब 25 वर्ष से कम बताई जा रही है।

फरार आरोपी तलाश जारी- पुलिस

इस मामले में तेलीबांधा पुलिस ने बताया कि चाकूबाजी में एक युवक की मौत हुई है। दूसरा युवक घायल हुआ है। तकनीकी जांच और मुखबिरों की मदद से चार आरोपियों को पकड़ा है। वारदात में शामिल एक आरोपी फरार है, उसकी तलाश की जा रही है।

रायपुर में गांजा तस्करी करते प्रयागराज का अंतर्राज्यीय तस्कर गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर पुलिस ने नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान 'ऑपरेशन निश्चय' के तहत बड़ी सफलता हासिल की है। एण्टी क्राइम एंड साइबर यूनिट और थाना गंज पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में उत्तर प्रदेश के प्रयागराज से आए एक अंतर्राज्यीय गांजा तस्कर को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी के कब्जे से करीब चार किलो से अधिक गांजा और एक मोबाइल फोन जब्त किया गया है। पुलिस महानिरीक्षक रायपुर रेंज अमरेश मिश्रा तथा पुलिस उप महानिरीक्षक एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रायपुर डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देश पर जिले में मादक पदार्थों की तस्करी, खरीदी-बिक्री और अवैध परिवहन के खिलाफ सख्त अभियान चलाया जा रहा है। इसी अभियान के तहत रायपुर पुलिस द्वारा लगातार सूचना संकलन, मुखबिर तैनाती और तकनीकी माध्यमों से निगरानी की जा रही है। इसी क्रम में 11 जनवरी 2026 को एण्टी क्राइम एंड साइबर यूनिट को सूचना मिली कि थाना गंज क्षेत्र अंतर्गत राजपूताना होटल के पास एक संदिग्ध व्यक्ति खड़ा है, जिसके पास गांजा है और वह उसे कहीं ले जाने की फिराक में है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा तत्काल तस्दीक कर संयुक्त टीम को कार्रवाई के निर्देश दिए गए। निर्देश मिलते ही एण्टी क्राइम एंड साइबर यूनिट और थाना गंज पुलिस की संयुक्त टीम मौके पर पहुंची। मुखबिर द्वारा बताए गए हुलिए के आधार पर संदिग्ध व्यक्ति की पहचान कर उसे घेराबंदी कर पकड़ा गया। पूछताछ में उसने अपना नाम राम कैलाश बिंद निवासी ग्राम हरदी, थाना बारा, जिला प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) बताया। पुलिस टीम द्वारा नियमानुसार आरोपी के पास रखे बैग की तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान बैग से 4.180 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। जब्त किए गए गांजा की अनुमानित कीमत करीब 2 लाख रुपये आंकी गई है। इसके अलावा आरोपी के पास से एक मोबाइल फोन भी जब्त किया गया, जिसकी कीमत करीब 10 हजार रुपये बताई गई है। इस प्रकार कुल जप्ती की कीमत लगभग 2 लाख 10 हजार रुपये है। गिरफ्तारी के बाद आरोपी के खिलाफ थाना गंज में अपराध क्रमांक 07/2026 के तहत धारा 20(बी) नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट के अंतर्गत मामला दर्ज कर विधिवत कार्रवाई की गई है। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि आरोपी गांजा कहां से लाया था और इसे रायपुर में किसे सप्लाई किया जाना था।

डेयरी संचालक पर 10,000 का जुर्माना, नगर निगम ने नोटिस के बाद दी चेतावनी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर नगर पालिक निगम स्वास्थ्य विभाग को प्राप्त डेयरी में गन्दगी की जनशिकायत को तत्काल संज्ञान में लेते हुए नगर निगम आयुक्त विश्वदीप द्वारा दिए गए आदेशानुसार और नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी डॉ तृप्ति पाणीग्रही और नगर निगम जोन 5 के जोन आयुक्त खीरसागर नायक के निर्देशानुसार जोन 5 जोन स्वास्थ्य अधिकारी संदीप वर्मा के नेतृत्व में नगर निगम जोन 5 स्वास्थ्य विभाग के स्वच्छता निरीक्षक प्रेम मानिकपुरी दिलीप साहू की उपस्थिति में जोन 5 क्षेत्र अंतर्गत भक्त माता कर्मा वार्ड 67 अंतर्गत भाठागांव क्षेत्र में आवासीय क्षेत्र में संचालित नीलकंड डेयरी का औचक निरीक्षण किया गया।

औचक निरीक्षण के दौरान गन्दगी और प्रदूषण सहित डेयरी की भैंसों को सड़क पर छोड़े जाने से आए दिन सड़क दुर्घटनाओं के होने की जनशिकायत सही मिली. जोन स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा काऊकैचर वाहन और विशेष टीम की सहायता से भाठागांव सड़क मार्ग पर सम्बंधित डेयरी की 10 भैंसों की धरपकड़ कर उन्हें लाखेनगर कांजी हाउस भेज दिया. रायपुर नगर निगम स्वास्थ्य अधिकारी और जोन 5 जोन कमिश्नर के निर्देश पर जोन स्वास्थ्य अधिकारी ने नीलकंड डेयरी भाठागांव के सम्बंधित संचालक पर तत्काल 10000 रूपये का ई जुर्माना किया और उन्हें आवासीय क्षेत्र से अपनी डेयरी स्वत: बन्द कर निगम क्षेत्र के बाहर शीघ्र शिफ्ट कर लेने नोटिस पुन: जारी करते हुए भविष्य के लिए कड़ी कार्यवाही नियमानुसार करने की चेतावनी दी।

जुर्माना अदा करने के पश्चात नगर निगम जोन 5 स्वास्थ्य विभाग द्वारा सम्बंधित नीलकंठ डेयरी की भैंसों को भविष्य में सड़क मार्ग पर नहीं छोड़े जाने की कड़ी हिदायत देकर छोड़ा गया और प्राप्त जन शिकायत का जोन के स्तर पर त्वरित निदान किया गया. सड़क मार्ग पर दोबारा डेयरी की भैंसों को छोड़े जाने की स्थिति में रायपुर नगर पालिक निगम जोन क्रमांक 5 स्वास्थ्य विभाग अभियान चलाकर नियमानुसार कड़ी कार्यवाही करेगा।

पुरानी रंजिश में चाकू से हमला, नाबालिग सहित 4 आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी के मौदहापारा थाना क्षेत्र में पुरानी रंजिश को लेकर चाकू से हमला कर युवक को घायल करने के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीन आरोपियों और विधि के साथ संघर्षरत एक बालक सहित कुल चार लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त धारदार चाकू भी जब्त किया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, प्रार्थी मोहम्मद अली असगर ने थाना मौदहापारा में रिपोर्ट दर्ज कराई कि दिनांक 10 जनवरी 2026 की रात करीब 10:40 बजे वह अपने घर राजातालाब जाने के लिए मौदहापारा स्थित गरीब नवाज दवाखाना के सामने वाहन का इंतजार कर रहा था। इसी दौरान कल्लू गैरेज के पास रहने वाले अयान कुरैशी, फरहान कुरैशी, अब्दुल नवाज आमिर उर्फ भोंदा तथा एक अन्य नाबालिग बालक वहां पहुंचे और पुरानी रंजिश की बात को लेकर प्रार्थी से विवाद करने लगे। आरोप है कि चारों ने मिलकर प्रार्थी को मां-बहन की अश्लील गालियां दीं, हाथ-मुक्कों से मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। इसी दौरान आरोपियों में से एक ने अपने पास रखे धारदार चाकू जैसे हथियार से हमला कर प्रार्थी को घायल कर दिया। घटना के बाद आसपास मौजूद लोगों की मदद से घायल को उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। प्रार्थी की रिपोर्ट पर थाना मौदहापारा में अपराध क्रमांक 10/26 के तहत धारा 296, 115(2), 351(2), 118(1), 3(5) बीएनएस के अंतर्गत मामला पंजीबद्ध किया गया। मामले की गंभीरता को देखते हुए वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों के निर्देशन में थाना प्रभारी मौदहापारा के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने प्रार्थी से घटना के संबंध में विस्तृत पूछताछ की। आरोपियों की तलाश शुरू की। संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश देने के बाद पुलिस ने प्रकरण के मुख्य आरोपी अयान कुरैशी उर्फ बीटी, मोहम्मद फरहान कुरैशी, अब्दुल नवाज आमिर उर्फ भोंदा तथा विधि के साथ संघर्षरत एक बालक को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त एक नग चाकू भी बरामद किया गया। गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ वैधानिक कार्रवाई करते हुए उन्हें न्यायिक प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई के लिए प्रस्तुत किया गया है, जबकि विधि के साथ संघर्षरत बालक के संबंध में किशोर न्याय अधिनियम के तहत आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि शहर में शांति व्यवस्था भंग करने और आपराधिक गतिविधियों में लिप्त व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। आम नागरिकों से भी अपील की गई है कि किसी भी विवाद की स्थिति में कानून अपने हाथ में न लें और तत्काल पुलिस को सूचना दें।

दंतेवाड़ा में गौ तस्करी नाकाम, 5 आरोपी युवक अरेस्ट

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा। पुलिस ने 56 गौ-वंशों की तस्करी करते हुए 5 युवकों को गिरफ्तार किया है। ये सभी तस्कर जंगल के रास्ते सभी गौ-वंशों को गीदम (दंतेवाड़ा जिला) से सुकमा के रास्ते तेलंगाना के मुलुगु के बूचड़खाना लेकर जा रहे थे।

इसी बीच मुखबिर से मिली सूचना के बाद पुलिस ने सभी को पकड़ लिया है।जानकारी के मुताबिक, दंतेवाड़ा पुलिस को गौ संरक्षक टीम की तरफ से जानकारी मिली थी कि, कुछ लोग सफेद, काला रंग बिरंगे कृषक पशु बैलों को करीबदर, मरकाटोला, बेनूर, मालेवाही, बारसूर, नागूल, मड़से, पनेड़ा, गुमड़ा, बालूद, मटेनार, अरनपुर जंगल पहाड़ी से होते हुए किस्टाराम के जंगल की तरफ जा रहे हैं। यहां से वे इन गौ-वंशों को कटने के लिए तेलंगाना के मुलुगु लेकर जाएंगे। इसी सूचना के बाद दंतेवाड़ा पुलिस ने एक टीम गठित की। जिसके बाद पुलिस जवान मौके पर पहुंचे। जहां से 5 युवकों को पकड़ा गया।

पूछताछ में इन्होंने अपना नाम महेश मुरामी (20), संतोष मुरामी (19), मनकू मुरामी (22), राजू हेमला (50) और विजय कुमार नागेश (36) बताया।ये सभी दंतेवाड़ा जिले के गीदम थाना क्षेत्र के ही रहने वाले हैं। इनके पास से 56 गौ-वंशों को बरामद किया गया। पुलिस ने जब इनसे पूछा तो इनके पास सभी मवेशियों को लेकर कोई भी वैध दस्तावेज नहीं था। वहीं इन्होंने पुलिस को बताया कि ये इन्हें बूचड़खाना लेकर जा रहे थे। जिसके बाद पुलिस ने सभी युवकों को गिरफ्तार कर लिया। दंतेवाड़ा पुलिस ने कहा कि, अवैध तस्करी पर लगाम लगाने दंतेवाड़ा पुलिस हमेशा तत्पर है। हमें सूचना मिली थी जिसके बाद मौके पर पुलिस की पहुंची और कार्रवाई की गई।

रॉन्ग साइड से आई तेज रफ्तार कार ने बाइक को मारी टक्कर, दो गंभीर

श्रीकंचनपथ न्यूज

धमतरी। धमतरी जिले के मगरलोड थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम परसवानी के पास एक दर्दनाक सड़क हादसा सामने आया है। तेज रफ्तार और लापरवाही से चल रही कार ने सामने से आ रही मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को पहले सरकारी अस्पताल मगरलोड और बाद में निजी अस्पताल धमतरी में भर्ती कराया गया, जहां दोनों का इलाज जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम भाठागांव निवासी युवक अपने मोटरसाइकिल क्रमांक सीजी 04 एचएस 6348 से अपने साथी मुकेन्द्र कुमार साहू के साथ काम के सिलसिले में सुबह करीब 9 बजे मगरलोड आए थे। दोनों श्री 2 कलर पाइप लोडिंग का काम करने मगरलोड पहुंचे थे। दिनभर काम करने के बाद शाम करीब 6 बजे वे मोटरसाइकिल से वापस अपने गांव भाठागांव के लिए रवाना हुए। शाम करीब 6:30 बजे जब वे ग्राम परसवानी के पास पहुंचे।

खरोरा थाना पुलिस की कार्रवाई, अवैध शराब के साथ दो आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। रायपुर जिले के थाना खरोरा पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग मामलों में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से देशी एवं अंग्रेजी शराब की बड़ी मात्रा जब्त की है। दोनों मामलों में आबकारी अधिनियम के तहत अपराध पंजीबद्ध कर आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है।

वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रायपुर डॉ. लाल उमेद सिंह के निर्देशानुसार जिले में अवैध शराब की बिक्री और परिवहन पर रोक लगाने के लिए लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) कीर्तन राठौर के मार्गदर्शन तथा नगर पुलिस अधीक्षक (विधानसभा) वीरेन्द्र चतुर्वेदी के पर्यवेक्षण में थाना प्रभारी खरोरा के नेतृत्व में यह कार्रवाई की गई। पहला मामला- सलीम कोशले के पास से देशी शराब जब्त दिनांक 11 जनवरी 2026 को थाना खरोरा पुलिस को मुखबिर से सूचना मिली कि ग्राम भण्डारपुरी निवासी सलीम कोशले अपने घर के पास अवैध रूप से शराब बिक्री करने की फिराक में एक पीले रंग की प्लास्टिक बोरी में देशी शराब रखे हुए है। सूचना की तस्दीक के लिए पुलिस टीम द्वारा तत्काल बताए गए स्थान पर दबिश दी गई। रेड कार्रवाई के दौरान आरोपी सलीम कोशले को मौके पर पकड़ा गया। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक पीले रंग की प्लास्टिक बोरी में रखे 48 पौवा देशी मदिरा मसाला शेरा बरामद की गई।

प्रत्येक पौवा में 180-180 मिलीलीटर शराब भरी हुई थी, जिसकी कुल मात्रा 8 लीटर 640 मिलीलीटर पाई गई। जब्त शराब की अनुमानित कीमत 4,800 रुपये बताई गई है। आरोपी के खिलाफ थाना खरोरा में अपराध क्रमांक 21/26 धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। दूसरा मामला- केप्टन सिंह के पास से अंग्रेजी शराब जब्त इसी दिन एक अन्य मुखबिर सूचना के आधार पर थाना खरोरा पुलिस ने ग्राम खोरसी स्थित रंगला ढाबा के पीछे अवैध शराब रखे होने की सूचना पर कार्रवाई की। पुलिस टीम ने दबिश देकर आरोपी केप्टन सिंह को पकड़ा। तलाशी में उसके कब्जे से एक सफेद रंग की बोरी में रखे 35 पौवा अंग्रेजी शराब गोवा स्पेशल व्हिस्की बरामद की गई। प्रत्येक पौवा में 180-180 मिलीलीटर शराब भरी हुई थी, जिसकी कुल मात्रा 6 लीटर 300 मिलीलीटर और कीमत लगभग 4,200 रुपये आंकी गई।

आरोपी के खिलाफ अपराध क्रमांक 22/26 धारा 34(2) आबकारी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। कानूनी कार्रवाई पुलिस द्वारा दोनों आरोपियों को शराब रखने एवं बेचने के संबंध में वैध दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए नोटिस दिया गया, लेकिन वे कोई भी वैध कागजात पेश नहीं कर सके।

पर्याप्त साक्ष्य पाए जाने पर दोनों आरोपियों को मौके पर विधिवत गिरफ्तार कर गिरफ्तारी की सूचना उनके परिजनों को दी गई। इसके बाद दोनों को पृथक-पृथक न्यायालय में प्रस्तुत कर न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस ने स्पष्ट किया है कि अवैध शराब के कारोबार में संलिप्त व्यक्तियों के खिलाफ आगे भी इसी तरह सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

छत्तीसगढ़ रजत महोत्सव 25

जनादेश परब

विश्वास गौरव निर्माण

श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री

श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

2 साल निरंतर सेवा निरंतर विकास

पीएम आवास योजना

26 लाख से अधिक परिवारों को
पक्की छत

RO-45320/5

छत्तीसगढ़ जनसंपर्क | Visit us : /ChhattisgarhCMO /DPRChhattisgarh www.dprcg.gov.in

हमसे जुड़ने के लिए QR स्कैन करें

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950